শর্মা হার্ডওয়েব
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 265 | गुवाहाटी | मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जेपी नड्डा के पास ही रहेगी प्रेसिडेंट की कुर्सी — पेज 2
अखिल गोगोई को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने की दिलीप सैकिया की मांग — पेज 3
लांग टर्म वीजा पर आए पाकिस्तानियों को देश छोड़कर जाने की जरूरत नहीं — पेज 5
लिवरपूल ने रचा इतिहास, टोटनहम को 5-1 से हराकर जीता 20वां प्रीमियर लीग खिताब — पेज 7

सीएम ने विश्वनाथ में विकास के साथ कनेक्टिविटी पर दिया जोर

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को विश्वनाथ के लिए विकास की जोरदार वकालत की और इसे असम के सबसे विकसित जिलों में शुमार करने के लिए कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का वादा किया। पंचायत चुनावों से पहले एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शर्मा ने मतदाताओं को लुभाने और भाजपा के विकास के नारे को मजबूत करने के लिए नए राजमार्गों, एक रोपवे, उन्नत रेल संपर्क और यहां तक कि विमानन-मानक सड़कों की योजनाओं की घोषणा की। शर्मा ने उपस्थित लोगों को बताया कि मिशन चरियाली के पास जल्द ही अपना राजमार्ग होगा और तेजपुर को बैहाटा चरियाली से जोड़ने वाली सड़क को चार लेन वाले राजमार्ग में उन्नत किया जाएगा। उन्होंने आगे घोषणा की कि विश्वनाथ में जल्द ही रोपवे की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी - यह सुविधा अब तक केवल गुवाहाटी में ही देखने को मिलती थी। एक महत्वपूर्ण घोषणा में शर्मा ने कहा कि असम की आगामी सड़कों का निर्माण विमान लैंडिंग के लिए रनवे के रूप में भी किया जाएगा। उन्होंने प्रस्तावित गुवाहाटी-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेसवे का जिक्र करते हुए कहा कि हम गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ के बीच एक सड़क बना रहे हैं, जहां वाहन चलेंगे, लेकिन हम यह भी -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में 1 मई तक भारी बारिश, आंधी और तेज हवाएं चलने की संभावना

गुवाहाटी। गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने असम के लिए मौसम संबंधी चेतावनियां जारी की हैं, जिसमें 1 मई तक पूरे राज्य में भारी वर्षा, आंधी और तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, मध्य उत्तर प्रदेश से उत्तरी बांग्लादेश तक फैली कम दबाव की एक द्रोणिका, मध्य असम पर चक्रवाती परिसंचरण के साथ मिलकर भारी वर्षा और तूफानी स्थिति पैदा करने वाली है। अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है, जबकि अलग-अलग क्षेत्रों में भारी वर्षा के साथ ओले, बिजली और 60 से 70 किमी प्रति घंटे की गति तक तेज हवाएं चलने की संभावना है। बरपेटा, बंगाईगांव, बजाली, नलबाड़ी, जोरहाट, शिवसागर और चराइदेउ को भी तूफान और बिजली का सामना करना पड़ेगा, जबकि कामरूप मेट्रो और कार्बी आंग्लांग जैसे शहरी केंद्रों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। आगामी दिनों में, दीमा हसाओ, कछार, हैलाकांदी और श्रीभूमि जिलों पर भारी प्रभाव पड़ने का अनुमान है, विशेष रूप से -शेष पृष्ठ दो पर

तहव्वुर राणा की रिमांड 12 दिन और बढ़ी, कोर्ट ने मानी एनआईए की डिमांड

नई दिल्ली। 26/11 मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद आज सोमवार (28 अप्रैल) को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया। इस दौरान एनआईए की टीम ने कोर्ट से राणा की 12 दिन की हिरासत मांगी। जिसके बाद विशेष न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने एनआईए की अर्जी को स्वीकार करते हुए राणा को 12 दिनों की एनआईए रिमांड पर भेज दिया। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमले के आरोपी राणा को पिछले दिनों अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। जिसके बाद कोर्ट ने उसे 18 दिन के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया था। राणा को उसकी 18 दिन की -शेष पृष्ठ दो पर

हैलाकांदी में 170 मतदान केंद्र संवेदनशील चिह्नित : आयुक्त

हैलाकांदी। हैलाकांदी जिले में 2 मई को होने वाले पंचायत चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां कर ली हैं। जानकारी देते हुए जिला आयुक्त निसर्ग हिवरे ने कहा कि पूरे जिले में मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय भी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा उपायों का विवरण समय पर सूचित किया जाएगा क्योंकि हमने जिले में 170 -शेष पृष्ठ दो पर

बलुचिस्तान में आज भी जारी है स्वतंत्रता की जंग : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बलुचिस्तान के स्वतंत्रता संग्राम के प्रति अपनी गहरी संवेदना और समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बलुचिस्तान का स्वतंत्रता संग्राम 1947-48 से प्रारंभ हुआ था, जब ब्रिटिश उपनिवेशवाद के अंत के बाद, वर्तमान बलुचिस्तान के एक बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाला कालात रियासत अपने सार्वभौमिकता को बनाए रखने के लिए संघर्ष में उतर पड़ा था। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि 1948 के मार्च में पाकिस्तान ने बलपूर्वक इस क्षेत्र का अधिग्रहण कर लिया, जिससे बलुच जनता के बीच आक्रोश की जड़ें गहरी हो गईं। डॉ. शर्मा ने कहा कि विगत दशकों में राजनीतिक उपेक्षा, आर्थिक शोषण और सांस्कृतिक दमन ने बलुच जनमानस के भीतर विद्रोह को बार-बार भड़काया है, खासकर 1958, 1962, -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

वन की अग्नि चंदन की लकड़ी को भी जला देती है, अर्थात दुष्ट व्यक्ति किसी का भी अहित कर सकते हैं।

- आचार्य चाणक्य

कांग्रेस सांसद के काफिले पर हमला

मुख्य संदिग्ध की पहचान हो गई साथियों की तलाश जारी

गुवाहाटी। नगांव पुलिस ने कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै के काफिले पर हमले के मुख्य संदिग्ध की पहचान कर ली है। यह हमला रविवार शाम धिंग में हुआ था। मोरीगांव जिले के बुढ़ागांव निवासी इमदादुल इस्लाम को हमले में मुख्य आरोपी बताया गया है, तथा कई अन्य लोग भी इसमें शामिल हैं। नगांव के एसपी स्वप्नील डेका ने सोमवार को पुष्टि की कि हमने इमदादुल इस्लाम की पहचान मुख्य संदिग्ध के रूप में की है। उसे शनिवार को कांग्रेस पार्टी से निलंबित कर दिया गया था और हमारी जांच से पता चलता है कि उसने हमले की साजिश रची थी। इसमें अन्य लोग भी शामिल थे और हम मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस टीमें फिलहाल मोरीगांव और नगांव में संदिग्धों का पता लगाने के लिए काम कर रही हैं। माना जा रहा है कि हमलावर लाहौरीघाट से आए थे और उन्होंने बरदलै के काफिले पर हमला किया। यह हमला उस समय हुआ जब सांसद जेनगोनी में एक चुनावी बैठक से लौट रहे थे। एसपी डेका ने कहा कि हमें शीघ्र गिरफ्तारियां करने की पूरी उम्मीद है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शेष बदमाशों को पकड़ने के लिए प्रयास जोरों पर हैं। जब संदिग्ध के संभावित राजनीतिक संबंधों, विशेषकर कांग्रेस के साथ, के बारे में पूछा गया तो डेका ने चुप्पी साध ली तथा कहा कि पुलिस का ध्यान केवल -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ संशोधन अधिनियम

एससी ने नई याचिका पर सुनवाई करने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम को चुनौती देने वाली नई याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वो 100 याचिकाओं को एंटरटेन नहीं करेंगे। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने याचिकाकर्ता सैयद अली अकबर के वकील से कहा कि वे लंबित पांच मामलों में हस्तक्षेप आवेदन दायर करें, जिन पर अंतरिम आदेश पारित करने के लिए 5 मई को सुनवाई होगी। सीजेआई ने कहा कि आप इसे वापस ले लें, हमने 17 अप्रैल को एक आदेश पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि केवल पांच याचिकाओं पर ही सुनवाई होगी। 17 अप्रैल को, पीठ ने अपने समक्ष कुल याचिकाओं में से केवल पांच पर सुनवाई करने का फैसला किया और मामले का शीर्षक रखा। इन रीः वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी), जमीयत उलमा-ए-हिंद, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके), कर्नाटक राज्य एयूक्यूएएफ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अनवर बाशा (वकील तारिक अहमद -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सीमा हैदर हो सकती आईएसआई एजेंट उठे गंभीर सवाल

नई दिल्ली। मौलाना साजिद रशीदी, जो कि ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं, ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान पर सीधा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह हमला पाकिस्तान की करतूत है, -शेष पृष्ठ दो पर

भारत ने पाकिस्तान के 16 यूट्यूब चैनलों पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने के आरोप में पाकिस्तान के 16 यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिनके कुल 63 मिलियन सब्सक्राइबर हैं। यह प्रतिबंध गृह मंत्रालय की सिफारिश के बाद लगाया गया है और इसमें प्रमुख समाचार आउटलेट और पत्रकार शामिल हैं। प्रतिबंधित किए गए प्लेटफॉर्म में समाचार आउटलेट डॉन, समा टीवी, एआरवाई न्यूज, बोल न्यूज, -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक : भाषण के दौरान लोगों ने किया हंगामा

सिद्धारमैया ने आपा खोया, एसपी को थप्पड़ मारने के लिए उठाया हाथ

बेलगावी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सोमवार को उस समय गुस्से में आ गए, जब कुछ लोगों ने उनके भाषण के दौरान हंगामा किया। ये लोग कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता थे। इस दौरान सिद्धारमैया ने गुस्से में मंच पर एक पुलिस अधिकारी को थप्पड़ मारने के लिए हाथ उठाया। कांग्रेस और आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, विरोध कर रहे लोगों ने बड़ी भीड़ के बीच काला झंडा दिखाया और कुछ नारे लगाए। सिद्धारमैया इससे गुस्से में आ गए और उन्होंने पुलिस अधिकारी को अपने मंच पर बुलाते हुए कहा, आओ यहां..कौन है एसपी? क्या कर रहे हो? इसके बाद मुख्यमंत्री गुस्से में पुलिस अधिकारी की ओर हाथ उठाते हैं, लेकिन पुलिस अधिकारी तुरंत पीछे हट जाते हैं। फिर सिद्धारमैया उन्हें उन लोगों को हटाने का आदेश देते हैं, जो उनके लिए -शेष पृष्ठ दो पर

भारत से नेपाल जाने के लिए अब आधार कार्ड या पहचान-पत्र आवश्यक होगा

पश्चिम चपारण (हि.स.)। भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा के वाल्मीकिनगर बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा में तैनात सशस्त्र सीमा बल 21वीं वाहिनी गंडक बराज के अधिकारियों द्वारा पहलगाम में हुए आतंकी हमला के बाद सुरक्षा कारणों से व्यवस्था सख्त कर दी गई है। अब किसी भी भारतीय नागरिक को नेपाल जाने से पहले उसे अपना आईडी प्रूफ, आधार कार्ड, -शेष पृष्ठ दो पर

ओसामु सुजुकी, पंकज उधास, सुशील मोदी...

राष्ट्रपति ने 71 प्रमुख हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से किया सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-1 में वर्ष 2025 के लिए 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। इस साल 25 जनवरी को 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कुल 139 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को देश के नागरिक पुरस्कारों - पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री - के लिए नामित किया गया था। मुर्मू ने सुजुकी मोटर के पूर्व प्रमुख दिवंगत ओसामु सुजुकी, प्रसिद्ध गायक दिवंगत पंकज उधास और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत सुशील कुमार मोदी समेत 71 प्रमुख हस्तियों को सोमवार को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। नागरिक सम्मान प्राप्त करने वाले लोग सितारों से सजे इस समारोह में शामिल हुए, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उपस्थित थे। वरिष्ठ अभिनेता एवं निर्देशक शेखर कपूर, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एआईजी हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डी. नागेश्वर रेड्डी, वायलिन वादक लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम और तेलुगु सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण, जिन्हें -शेष पृष्ठ दो पर

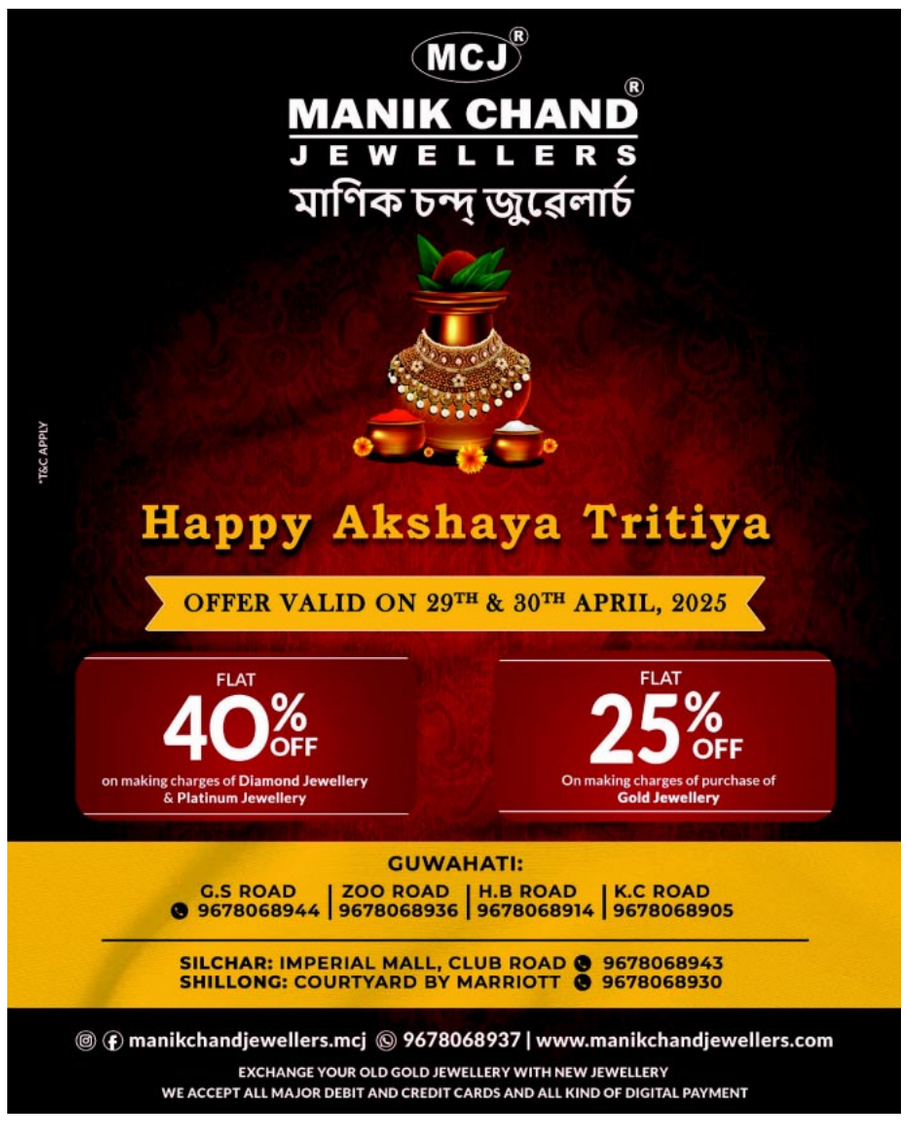

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

भाजपा अध्यक्ष का चुनाव टला

जेपी नड्डा के पास ही रहेगी प्रेसिडेंट की कुर्सी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव फिलहाल नहीं होगा। यह फैसला पार्टी के शीर्ष इकाई ने किया है। अध्यक्ष पद के लिए नए सिरे से चुनाव कब होगा, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। भाजपा मई महीने में अपना अध्यक्ष चुनने का प्लान कर रही थी, लेकिन अब इसे टाल दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने अभी अपने अध्यक्ष पद का चुनाव टाल दिया है। यानी जगत प्रकाश नड्डा अध्यक्ष बने रहेंगे। नड्डा 2020 से ही अध्यक्ष पद पर काबिज हैं। सूत्रों का कहना है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुई तनाव की परिस्थितियों में भाजपा संगठन के चुनाव को टाला गया है। भाजपा अभी केंद्र की सरकार में है और पार्टी की कोशिश इस मुद्दे को अच्छे से सुलझाने की है। पहलगाम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने की बात कही थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि आतंकवादियों को खोज-खोजकर सजा देने का काम करेंगे। 2019 में अमित शाह के केंद्रीय मंत्री बनने के बाद जगत प्रकाश नड्डा को अध्यक्ष की कुर्सी सौंपी गई थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही नड्डा के हटने की बात कही जा रही थी, लेकिन चुनाव न होने की वजह से वे अध्यक्ष पद पर बैठे हैं। भाजपा के सियासी गलियारों में नड्डा के बाद कौन होगा नया अध्यक्ष? इसकी भी खूब चर्चा है। पिछले 6 महीने में भाजपा अध्यक्ष पद के लिए कई नामों की चर्चा मीडिया में हो चुकी है। हालांकि, फाइनल मुहर चुनाव में ही लगेगा। भाजपा संविधान के मुताबिक राज्यों में चुनाव हो जाने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव कराया जाता है। पार्टी के गठन के बाद से अब तक सर्वसम्मति से ही अध्यक्ष पद का चुनाव होता रहा है। 6 अप्रैल 1980 को भाजपा की स्थापना हुई थी।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ कलाम के परिवार ने एनएआई को सौंपे उनके निजी कागजात

नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के परिवार वालों ने उनके कुछ जरूरी कागजात भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) को सौंपे। इनमें मूल पत्राचार, पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, यात्रा रिपोर्ट और विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ-साथ संगठनों में डॉ कलाम द्वारा दिए गए व्याख्यान से जुड़े कागजात शामिल हैं। दिल्ली स्थित एनएआई में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में डॉ. कलाम की भतीजी डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकयार और डॉ. कलाम के पोते एपीजेएमजे शेख सलीम ने पूर्व राष्ट्रपति के कुछ जरूरी कागजात एनएआई को सौंपे। इस मौके पर एनएआई के महानिदेशक अरुण सिंघल ने डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकयार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महानिदेशक सिंघल ने कहा कि अब आम लोग भी डॉ. कलाम के 1000 से अधिक भाषणों के संग्रह को देख और पढ़ सकेंगे। सभी कागजात का डिजिटलीकरण किया जाएगा। आने वाली पीढ़ी एनएआई के निजी संग्रह में जाकर डॉ. कलाम, महात्मा गांधी, पूर्व राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद, नेताजी सुभाष चंद्रबोस द्वारा लिखे पत्र और दस्तावेज पढ़ सकती है। एनएआई के सहायक निदेशक डॉ. मानस मिश्रा ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि आज औपचारिक तौर पर डॉ कलाम और एनएआई के बीच समझौता किया गया। इसके तहत परिवार वालों ने डॉ कलाम के निजी पत्राचार, भाषणों का संग्रह, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड को एनएआई को सौंपा। इसके लिए एनएआई की टीम दिल्ली से रामेश्वरम डॉ. कलाम के घर पर उनके निजी पत्रों को लेने के लिए पहुंची थी। टीम में उनके साथ उपनिदेशक राजू सिंह और सहायक निदेशक डॉ. रिचा थे। डॉ कलाम द्वारा लिखे लेक्चर, पत्रों से भरे 12 बॉक्स को चार बड़ बॉक्स में भर कर दिल्ली लाया जा रहा है। डॉ कलाम द्वारा विश्वविद्यालयों में दिए गए भाषणों का संकलन है जिसमें विकसित भारत का रोडमैप का विजन है। इन सभी भाषणों को अब अभिलेखागार में रखा जाएगा और उनका डिजिटलीकरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. कलाम (1931-2015), जिन्हें भारत के मिसाइल मैन के रूप में जाना जाता है, एक प्रख्यात वैज्ञानिक और देश के राष्ट्रपति (2002-2007) थे।

बाल विवाह के खात्मे के लिए निकाली जागरूकता रैली

नवादा (हिंस)। जिला कार्यालय के आदेशानुसार कस्तूरबा बालिका विद्यालय में बाल विवाह के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु सोमवार को जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। वार्डेन पिंकी कुमारी ने बताया कि बाल विवाह को रोकने हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए इस रैली का आयोजन किया गया। रैली में बालिकाओं ने स्लोगन आओ सब मिलकर बात करे, बंद हो दहेज इसकी शुरुआत करें। 14 साल की बिटिया है लगवाओ न तुम फेरे, कंधों पर बस्ता दे दो, जाएगी स्कूल सुबह -सवेरे। घर घर शिक्षा दीप जलाए, बाल विवाह बंद कराए। हर कोई अगर चाहेगा, बाल विवाह बंद हो जाएगा। जैसे नारा लगाकर लोगों को जागरूक किया। मौके पर शिक्षिका रिंकी कुमारी, प्रियंका कुमारी, अनामिका कुमारी एवं कस्तूरबा विद्यालय की सभी बालिकाएं उपस्थित थी।

अटारी बार्डर से 21 करोड़ की हेरोइन सहित एक गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। सीमा पार नशा तस्करी रोकने के लिए काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर ने अटारी बार्डर क्षेत्र से बलवीर सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से तीन किलो हेरोइन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस खेप की कीमत 21 करोड़ के करीब बताई जा रही है। पंजाब पुलिस के अनुसार काउंटर इंटेलिजेंस टीम को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अटारी क्षेत्र के आसपास भारी मात्रा में हेरोइन की तस्करी करने की योजना बना रहा है। इस पर पुलिस ने बलवीर सिंह को घेर कर पकड़ लिया। उसकी तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 3 किलो हेरोइन बरामद हुई। पकड़ी गई हेरोइन छह पैकेट में थी, जिन पर हुक बना था। इससे यह स्पष्ट हुआ कि ये खेप ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से भेजी गई थी। पुलिस ने बलवीर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करके उससे पूछताछ कर रही है।

अमेरिका में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीयों का उग्र प्रदर्शन

न्यूयॉर्क। पहलगाम आतंकवादी हमलों के विरोध में अमेरिका में भारतीय प्रवासी पाकिस्तान वाणिज्य दूतावास और टाइम्स स्क्वायर के बाहर एकत्र हुए और पाकिस्तानकी आतंकी गतिविधियों के खिलाफ रोष व्यक्त किया। प्रदर्शनकारी भारतीय तिरंगा लहरा रहे थे और बैनर थामे हुए थे जिन पर लिखा था इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र घोषित करो, पहलगाम हिंदू नरसंहार। उन्होंने एक लंबा बैनर भी पकड़ रखा था, जिस पर आतंकवादी हमले के 26 पीड़ितों की तस्वीरें थीं, जिस पर लिखा था सीएनएन, एनबीसी, एनवाईटी, डब्ल्यूएपीओ, यूएन कृपया उनके नाम साझा करें, उनके चेहरे दिखाएं। इसके साथ ही बैनर पर हिंदू जीवन मायने रखता है, आतंकवाद को अभी समाप्त करें, इस्लामिक आतंकवाद - आज ही समाप्त करें, बस बहुत हो गया जैसी पंक्तियां भी लिखी थीं। ये विरोध प्रदर्शन 27 अप्रैल को आयोजित किए गए थे और न्यूयॉर्क में पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास के बाहर जिहादी आतंकवाद के खिलाफ एक अंतर-धार्मिक जुलूस भी निकाला गया था। इस दौरान प्रवासी समुदायों के सदस्यों ने भारतीय और इजराइली झंडे लहराए थे, संयुक्त रूप से आतंकवाद की निंदा की थी और दुनिया से सामूहिक रूप से आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक मजबूत संदेश भेजने का आह्वान किया था। एक हिन्दू पुजारी ने हमले के पीड़ितों के लिए शांति की प्रार्थना की तथा समुदाय के सदस्यों ने पहलगाम हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा। *एक्स* पर एक पोस्ट में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने विरोध प्रदर्शन की तस्वीरें साझा कीं और कहा टाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क में संवेदना और विरोध। पोस्ट में कहा गया कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर गहरा दुख व्यक्त करने और आलोचना के लिए बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के सदस्य तथा भारत के मित्र टाइम्स स्क्वायर पर एकत्र हुए। सभा में पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। एक अन्य पोस्ट में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा कि क्वींस, न्यूयॉर्क में दाऊदी बोहरा समुदाय ने जम्मू- कश्मीर में दुखद पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता में एक प्रार्थना सभा आयोजित की।

पाकिस्तान पर हो बालाकोट से सख्त एक्शन : फारूक

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले पर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अफसोस है कि आज भी पाकिस्तान यह नहीं समझ रहा है कि उसने मानवता की हत्या की है। अगर उन्हें लगता है कि ऐसा करने से हम पाकिस्तान के साथ चले जाएंगे, तो हमें उनकी गलतफहमी दूर कर देनी चाहिए। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ऐसे कायराना हमला कर वह हमें कमजोर करना चाहते हैं। लेकिन हम इससे कमजोर नहीं बल्कि मजबूत हो रहे हैं। और हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे। मैं पहले हमेशा चाहता था कि बातचीत हो मगर हम उन पीड़ितों के परिवारों से क्या कहेंगे कि हम बातचीत कर रहे हैं? क्या बातचीत करना इंसाफ है? फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हमें इस बात का बेहद दुख है कि हमारा पड़ोसी पाकिस्तान अभी भी यह नहीं समझ पाया है कि उसने मानवता के खिलाफ अपराध किया है। हम अभी भी दो राष्ट्र सिद्धांत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई या कोई और, हम सब एक हैं। ऐसा सोचने वाले हमें कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। हम मजबूत हो रहे हैं।

पाकिस्तान ने पीओके से आतंकवादियों को बंकरों में किया शिफ्ट

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई के डर से पाकिस्तानी सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी लॉन्च पैड खाली करना शुरू कर दिया है और आतंकवादियों को सेना के आश्रयों और बंकरों में भेज दिया है। यह कदम भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कई सक्रिय लॉन्च पैड की पहचान करने के तुरंत बाद उठाया गया, जिससे आतंकवादियों के ठिकानों में फेरबदल हुआ। खुफिया इनपुट से संकेत मिलता है कि कब्जे वाले कश्मीर में केल, सरदी, दुधनियाल, अथमुकाम, जुरा, लीपा, पच्चीबन, फॉरवर्ड कहुता, कोटली, खुइरट्टा, मंधार, निकेल, चमनकोट और जानकोट सहित प्रमुख स्थानों से आतंकवादियों को स्थानांतरित किया जा रहा है। ये लॉन्च पैड पारंपरिक रूप से महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में काम करते हैं, जहां आतंकवादियों को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर जम्मू और कश्मीर में भेजे जाने से पहले तैनात किया जाता है। अचानक से की गई इस तैनाती से पता चलता है कि पाकिस्तान अपने आतंकी ढांचे को भारतीय निगरानी और पूर्व-आक्रमण से बचाने के लिए बेताब है, क्योंकि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नियंत्रण रेखा पर तनाव बढ़ गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। सूत्रों के अनुसार, पिछले सप्ताह सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित 42 आतंकी लॉन्च पैड और प्रशिक्षण केंद्रों पर निशाना साधा। उन्होंने यह भी बताया कि अनुमान है कि 150 से 200 प्रशिक्षित आतंकवादी वर्तमान में विभिन्न शिविरों में मौजूद हैं, जो घुसपैठ के प्रयासों के लिए तैयार हैं। इंटेलिजेंस सूत्रों का कहना है कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की आर्मी की कई पोजिशन आबादी के बीच है। उनके कई मोर्टार पोजिशन भी ऐसी जगह पर है, जहां पर आबादी है। तनाव बढ़ने के बाद वहां के लोग जो घर खाली कर वहां से पीछे जाने की कोशिश कर रहे थे उन्हें भी पाकिस्तान की आर्मी ने रोका है। दरअसल, पाकिस्तान अपनी सिविल आबादी को शील्ड की तरह इस्तेमाल करता रहा है और अभी भी वही कोशिश कर रहा है। एलओसी पर पाकिस्तान की तरफ से स्मॉल आर्म फायर किए जा रहे है और भारतीय सेना भी वैसे ही जवाब दे रही है।

पृष्ठ एक का शेष

सीएम ने विश्वनाथ ...

सुनिश्चित करेंगे कि दिसंबर तक इस पर विमान उतर सकें। यह एक्सप्रेसवे हवाई अड्डे के रनवे मानकों के अनुसार बनाया जाएगा। जिले के भीतर संपर्क को बढ़ावा देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी व्यवस्था की जाएगी कि ट्रेनें विश्वनाथ और बेहाली जैसे क्षेत्रों में रुक सकें - जो इस क्षेत्र में पहली बार होगा। पर्यावरण संबंधी चिंताओं की बात करते हुए, शर्मा ने आश्वासन दिया कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में लंबे समय से चल रहे मुद्दों के लिए एक स्थायी समाधान पर काम किया जा रहा है, जहां मानव आवास और पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्रों (ईएसजेड) के बीच अक्सर टकराव होता रहा है। उन्होंने कहा कि हम एक योजना पर काम कर रहे हैं ताकि मछुआरा समुदाय काजीरंगा के पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्रों के साथ संघर्ष के बिना अपनी आजीविका जारी रख सके। सरकार के व्यापक विकास एजेंडे पर प्रकाश डालते हुए, शर्मा ने सभी जिलों में मेडिकल कॉलेजों के विस्तार और कनकलता विश्वविद्यालय और गोहपुर विश्वविद्यालय जैसे नए शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की ओर इशारा किया। पंचायत चुनावों के लिए प्रचार अभियान अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है, और शर्मा राज्य भर में मतदाताओं का दिल जीतने के लिए अपने विकास एजेंडे पर भरोसा कर रहे हैं।

राज्य में 1 मई ...

28 और 29 अप्रैल को, जहां 70 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलेंगी और अचानक बाढ़ आने की संभावना है। आईएमडी ने कई व्यवधानों की चेतावनी दी है, जिसमें खराब दृश्यता के कारण यातायात की भीड़, जलभराव और उखड़े हुए पेड़ों के कारण सड़कें अवरुद्ध होना, तेज हवाओं के कारण नौका सेवाओं में व्यवधान, कच्चे घरों, खड़ी फसलों और सब्जी के खेतों को नुकसान और पश्चिमी कार्बी आंग्लांग और दीमा हसाओ जैसे पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन शामिल हैं। खुले इलाकों में बिजली गिरने से मानव और मवेशियों की सुरक्षा को भी खतरा है। निवासियों को यातायात संबंधी सलाह का पालन करने, बाढ़ की आशंका वाले निचले इलाकों से दूर रहने, कमजोर इमारतों से दूर रहने और बिजली गिरने के दौरान आश्रय लेने की सलाह दी जाती है। किसानों को भारी बारिश के लिए अपने खेतों को तैयार करने और सब्जियों की फसलों को सुरक्षित रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आईएमडी ने अधिकांश प्रभावित दिनों के लिए चेतावनी को *ऑरेंज अलर्ट* के अंतर्गत वर्गीकृत किया है तथा लोगों से *तैयार रहने* का आग्रह किया है।

तहव्वुर राणा की रिमांड...

एनआईए हिरासत खत्म होने के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश किया गया था। इस दौरान उसका चेहरा ढका हुआ थ। कोर्ट में भारी पुलिस फोर्स तैनात थी। वरिष्ठ वकील दयान कृष्णन और विशेष सरकारी वकील नरेंद्र मान ने बंद कमरे में हुई सुनवाई में एनआईए की ओर से दलीलें पेश की। वहीं दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण के वकील पीयूष सचदेवा ने राणा का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान एनआईए ने कोर्ट से राणा की 12 दिन की हिरासत मांगी। जिसके बाद कोर्ट ने उसे 12 दिनों की एनआईए रिमांड पर भेज दिया। पिछले 18 दिनों से दिल्ली के एनआईए ऑफिस में आरोपी तहव्वुर राणा से पूछताछ की जा रही है। यह पूछताछ मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच द्वारा की जा रही है।अधिकारियों का कहना है कि राणा जांच में सहयोग नहीं कर रहा है और वो टालमटोल भरे जवाब दे रहा है। राणा को दिल्ली में एनआईए हेडक्वार्टर में हाई-सिक्योरिटी सेल में रखा गया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी के करीबी सहयोगी राणा के भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ दायर उसकी पुनरीक्षण याचिका 4 अप्रैल को खारिज कर दी थी जिसके बाद उसे भारत लाया गया था। तहव्वुर राणा कनाडाई नागरिक है, जो कि मूल रूप से पाकिस्तान का रहने वाला है। राणा पाकिस्तानी सेना में बतौर डॉक्टर काम करता था। साल 1997 में वह पाकिस्तान छोड़कर कनाडा चला गया था। यहां उसने इमिग्रेशन सर्विसेज देने वाले बिजनेसमैन के रूप में काम शुरू किया। यहां से राणा अमेरिका भी पहुंच गया। राणा को 10 अप्रैल को अमेरिका से भारत डिपोर्ट किया गया था।

हैलाकांदी में 170 ...

संवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान की है। जिले में 689 मतदान केंद्र हैं, इनमें से 69 सहायक मतदान केंद्र हैं। कुल 3,032 मतदान कार्मिक पूरी चुनाव प्रक्रिया का प्रबंधन करेंगे। इनमें आठ जोनल अधिकारी और 62 सेक्टर अधिकारी हैं। हैलाकांदी जिले में 8 जिला परिषद सीटें, 5 आंचलिक पंचायत सीटें, 62 ग्राम पंचायत सीटें और 620 वार्ड सदस्य हैं। जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 4,49,188 है। इनमें से 2,32,046 पुरुष और 2,17,133 महिला मतदाता हैं। 9 *अन्य* मतदाता हैं। डीसी हिवरे ने बताया कि आठ जिला परिषद सीटों के लिए 66 उम्मीदवार मैदान में हैं। कुल 62 आंचलिक पंचायत सदस्य पदों के लिए 261 उम्मीदवार और 620 ग्राम पंचायत सदस्य पदों के लिए 1892 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। डीसी ने बताया कि हैलाकांदी जिले में पांच आंचलिक पंचायत सदस्य और 62 ग्राम पंचायत सदस्य पहले ही निर्विरोध जीत चुके हैं।

बलुचिस्तान में आज ...

1973 और 2000 के दशक की शुरुआत में। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद, बलुच जनता लंबे समय से पिछड़ेपन और सरकारी शोषण का सामना कर रही है। 2006 में जनजातीय नेता नवाब अकबर बुगती की हत्या को उन्होंने इस संघर्ष का एक दर्दनाक अध्याय बताया, जिसने बलुच अधिकारों और न्याय की मांग को और प्रासंगिक बना दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि आज का बलुचिस्तान आंदोलन स्वाभिमान, अधिकार, सम्मान और भविष्य की सुरक्षा के लिए चल रहा एक जीवंत उदाहरण है। उन्होंने बलिदान, अडिग साहस और स्वतंत्रता की उत्कट चाहत से भरे इस संघर्ष के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की और उम्मीद जताई कि यह आंदोलन अपने उचित परिणाम तक शीघ्र पहुंचेगा।

मुख्य संदिग्ध की पहचान...

इसमें शामिल लोगों को पकड़ने पर है। इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस हमले को *दुर्भाग्यपूर्ण* बताया और इसे वित्तीय मामलों को लेकर कथित व्यक्तिगत विवाद से जोड़ा। उन्होंने एक कांग्रेस कार्यकर्ता के आरोपों की ओर इशारा किया, जिसने दावा किया था कि बरदलै ने पार्टी टिकट के लिए पैसे मांगे थे। हजारिका ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट में कहा कि यह हमला शायद इसी विवाद का नतीजा था। हजारिका ने इस हमले का भाजपा से किसी भी तरह का संबंध होने से साफ इनकार किया और कहा कि जिस क्षेत्र में हमला हुआ वह कांग्रेस का गढ़ है। उन्होंने घटना का राजनीतिक दोहन न करने का आग्रह करते हुए कहा कि भाजपा पर आरोप लगाना निराधार और गैरजिम्मेदाराना है। यह हमला रविवार शाम को हुआ जब बरदलै जेंगोनी में एक बैठक से लौट रहे थे और ढिंग में डुमदुमिया न्यू मार्केट से गुजर रहे थे। बरदलै ने इस हमले को एक *सुनियोजित हमला* बताया और भाजपा समर्थकों पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया, उन्होंने उपचुनाव के दौरान धुबड़ी के सांसद रकीबुल हुसैन के साथ हुई इसी तरह की घटना की तुलना की। पुलिस अपनी जांच तेज कर रही है तथा उनका लक्ष्य सभी जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाना है।

एससी ने नई याचिका...

द्वारा प्रतिनिधित्व), कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी और मोहम्मद जावेद सहित लगभग 72 याचिकाएं कानून के खिलाफ दायर की गई थीं। तीन वकीलों को नोडल वकील नियुक्त करते हुए, पीठ ने वकीलों से आपस में तय करने को कहा कि कौन बहस करने जा रहा है। याचिकाकर्ताओं को सरकार के जवाब की सेवा के पांच दिनों के भीतर केंद्र के जवाब पर अपने जवाब दाखिल करने की अनुमति दी गई। पीठ ने कहा कि हम स्पष्ट करते हैं कि अगली सुनवाई (5 मई) प्रारंभिक आपत्तियों और अंतरिम आदेश के लिए होगी।

सिद्धारमैया ने आपा ...

परेशानी पैदा कर रहे थे। सिद्धारमैया अपना आपा खो देते हैं। हालांकि, कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला और कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के.पाटिल उन्हें शांत करने की कोशिश करते हैं। इसके बाद वह मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर से भी सवाल करते हुए दिखाई देते हैं, जो बेलगावी से हैं। मुख्यमंत्री *संविधान बचाओ और महंगाई विरोधी रैली* को संबोधित कर रहे थे, जिसमें कांग्रेस के कई नेता और उनके कैबिनेट मंत्री मौजूद थे। सिद्धारमैया ने फिर भाषण जारी रखते हुए कहा, भाजपा और आरएसएस इस तरह हर जगह शांति खराब करने की कोशिश करते हैं। वे समाज में आग लगाने की कोशिश करते हैं। वे समाज को बांटने की कोशिश करते हैं। हम भाजपा के ऐसे प्रयासों से डरने वाले नहीं हैं। हमारे पास उनका सार्वजनिक रूप से सामना करने की ताकत है। मैं इसे स्पष्ट करना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा, अगर हम (कांग्रेस) अपने कार्यकर्ताओं से भाजपा और आरएसएस से निपटने को कहें, तो वे सुनिश्चित करेंगे कि भाजपा और आरएसएस कुछ न कर पाए। मैं भाजपा की निंदा करता हूं, जो इस तरह के विरोध में शामिल हो रही है। क्या आप (भाजपा) शर्मिंदा नहीं होते? सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि कांग्रेस ऐसे प्रयासों नहीं डरती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के खिलाफ हमारा महंगाई विरोधी आंदोलन रुकने वाला नहीं है। बाद में, पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भाजपा को चेतावनी दी कि अगर भाजपा का रवैया इस तरह जारी रहा, तो वे राज्य में भाजपा को कोई भी बैठक या कार्यक्रम आयोजित नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा कि आज भाजपा ने अपने चार कार्यकर्ताओं को भेजा। मुझे नहीं पता कि वे कॉर्पोरेटर थे या ब्लॉक अध्यक्ष। वे हमारे कार्ड के साथ आए। उन्होंने काला झंडा दिखाया और नारे लगाए और बाधा पैदा करने की कोशिश की। मैं भाजपा और विपक्षी पार्टी के सभी नेताओं से कहना चाहता हूं, अगर यही आपका रवैया है, तो हम राज्य में आपकी कोई भी बैठक या कार्यक्रम नहीं होने देंगे। यह कांग्रेस पार्टी की शपथ है। शिवकुमार ने आगे कहा कि मैं भाजपा को चेतावनी देना चाहता हूं। अगर आप इसे सुधारते हैं, तो ठीक है। अगर यह रवैया जारी रहता है, तो राज्य की जनता और भगवान ने मुझे ताकत दी है कि हम इससे बड़ी कार्रवाई करके जवाब देंगे, जैसा आपने किया है। यह एक चेतावनी है। अपनी पार्टी और कार्यकर्ताओं में सुधार करें, नहीं तो हम आपके कार्यक्रमों को कहीं भी आयोजित नहीं होने देंगे। हम इसका मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।

भारत से नेपाल जाने ...

पहचान-पत्र दिखाना होगा। बिना पहचान- पत्र के किसी भी व्यक्ति को भारतीय सीमा से नेपाल क्षेत्र में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गंडक बाराज पर तैनात सहायक कमांडेंट जयंत बोरा ने बताया कि कमांडेंट तापेश्वर राऊत के दिशा- निर्देश पर सुरक्षा बिंदुओं को ध्यान में रखकर नेपाल जाने वाले सभी लोगों को आईडी प्रूफ दिखाना अनिवार्य कर दिया गया है, बिना आईडी प्रूफ नेपाल जाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि वाल्मीकि नगर सीमा क्षेत्र में चौक चौराहों पर सशस्त्र सीमा बल के जवानों को तैनात किया गया है, जिससे किसी भी संदिग्ध और अजनबी गतिविधि पर विराम लगेगी। उन्होंने ग्रामीणों से भी अपील किया है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति को देखने के बाद तत्काल इसकी सूचना पुलिस या सशस्त्र सीमा बल को अपना मित्र मानकर बिना डरे सूचित करें ताकि उचित कार्रवाई की जा सके।

राष्ट्रपति ने 71 प्रमुख हस्तियों ...

बलैया के नाम से भी जाना जाता है, अन्य प्रमुख हस्तियों में शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार पाने वालों में चार को पद्म विभूषण मिला - सुजुकी (मरणोपरांत), सुब्रमण्यम, रेड्डी और मलयालम लेखक एवं फिल्म निर्देशक एम.टी. वासुदेवन नायर (मरणोपरांत)। कुल 10 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इनमें पंकज उधास (मरणोपरांत), सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत), बालकृष्ण कपूर, पूर्व हॉकी खिलाड़ी पी.आर. श्रीजेश, तमिल अभिनेता एस. अजित कुमार, जाइडस लाइफसाइंसेज के चेयरपर्सन पंकज पटेल और भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर विनोद धाम शामिल हैं, जिन्हें *पेंटियम के जनक* के रूप में जाना जाता है। प्रसिद्ध पैरा एथलेटिक्स कोच डॉ. सत्यपाल सिंह को खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी से पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त हुआ। 96 वर्षीय कठपुतली कलाकार भीमव्वा डोड्डाबलप्पा शिल्लेक्यथारा को कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्म श्री पुरस्कार मिला। वैदिक संस्कृति और अध्यात्म पर अपने लेखन के लिए प्रसिद्ध अमेरिकी लेखक और शोधकर्ता स्टीफन नैप और गायिका जसपिंदर नरूला को पद्म श्री पुरस्कार मिला। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त हुआ।

सीमा हैदर हो ...

और इसके कारण भारतीय मुसलमानों को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। रशीदी ने पाकिस्तान को चेतावनी दी और कहा कि वह अपनी सीमाएं जानकर ही भारत से पंगा ले, क्योंकि इनकी हरकतों के कारण मुसलमान पूरी दुनिया में बदनाम हो रहे हैं। रशीदी ने पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर के बारे में भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि बिना वीजा के भारत में घुसी सीमा को लोगों ने हिंदू-मुसलमान के भेदभाव में सिर पर बिठा लिया, जबकि यह हो सकता है कि वह आईएसआई की एजेंट हो। मौलाना ने कहा कि जब पहलगाम में हमला हुआ, तो यह साफ था कि स्लीपर सेल पहले से मौजूद थे, और जिन लोगों ने यह साजिश रची, उनकी गहन जांच होनी चाहिए। रशीदी ने पाकिस्तान को संबोधित करते हुए कहा कि वह अपने जिहादी कारनामों से बाज आए, और पानी के विवाद पर भी उन्होंने सिंधु जल समझौते के संदर्भ में अपनी राय रखी। उनका कहना था कि अगर पाकिस्तान ने अपनी हरकतें जारी रखी तो भारत को कदम उठाने होंगे, और यह जरूरी है कि पाकिस्तान को भारत में मिलाया जाए ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके। मौलाना ने यह भी कहा कि पाकिस्तान पर की जा रही कार्रवाई उतनी प्रभावी नहीं है जितनी होनी चाहिए, और भारत सरकार को इस मुद्दे पर गंभीर कदम उठाने की जरूरत है। रशीदी ने कहा कि अगर पाकिस्तान और बांग्लादेश को हिंदुस्तान में शामिल कर लिया जाए तो यह एक अंतिम कदम हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय शांति और मुसलमानों की प्रति,ठा दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

भारत ने पाकिस्तान ...

रफ्तार, जियो न्यूज और सुनो न्यूज के यूट्यूब चैनल शामिल हैं। पत्रकार इरशाद भट्टी, अस्मा शिराजी, उमर चीमा और मुनीब फारूक के यूट्यूब चैनल भी प्रतिबंधित किए गए हैं। जिन अन्य हैंडल पर प्रतिबंध लगाया गया है उनमें द पाकिस्तान रेफरेंस, समा स्पोर्ट्स, उजैर क्रिकेट और रजी नामा शामिल हैं। इसके साथ सरकार ने बीबीसी को भी उस शीर्षक पर चेतावनी दी है, जिसमें लिखा था कि पाकिस्तान ने कश्मीर में पर्यटकों पर हुए घातक हमले के बाद भारतीयों के लिए वीजा निलंबित कर दिया है। बीबीसी ने स्टोरी में आतंकवादी को मिलिटेंट बताया है। सरकार के मुताबिक ये यूट्यूब चैनल पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों पड़ोसियों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच भारत, भारतीय सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री, झूठे, भ्रामक बयान और गलत सूचना प्रसारित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकी हमले में 25 पर्यटकों और एक कश्मीरी की आतंकवादियों ने निर्मम हत्या कर दी थी।

अखिल गोगोई को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने की दिलीप सैकिया की मांग

प्रद्युत बरदलै पर हमला कांग्रेस की साजिश : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने मांग की है कि चरमपंथी और सांप्रदायिक टिप्पणी करने के कारण अखिल गोगोई को भविष्य में किसी भी चुनाव में भाग लेने से प्रतिबंधित किया जाए। दरंग-उदालगुड़ी से सांसद सैकिया ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा कि भाजपा ने अखिल गोगोई के मुस्लिम मतदाताओं को भाजपा को वोट न देने के आह्वान पर चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपा है। सैकिया ने अखिल गोगोई की टिप्पणी को अनुचित, असंवेदनशील और तुष्टिकरण की राजनीति का चरम उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि जिस शिवसागर जैसे गौरवशाली ऐतिहासिक क्षेत्र से गोगोई विधायक हैं, वहां से चुना गया व्यक्ति मुगलों का पक्ष ले रहा है, यह असमिया गर्व के लिए एक बड़ा अपमान है। सैकिया ने कहा कि स्वाभिमानी असमिया जनता ने गोगोई की इस टिप्पणी पर घोर निंदा की है। उल्लेखनीय है कि सैकिया के निर्देश पर भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक भट्टाचार्य शामिल थे, ने चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपा और गोगोई के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर, कांग्रेस नेता और सांसद प्रद्युत बरदलै की कार पर असामाजिक तत्वों द्वारा हुए हमले को लेकर भाजपा असम प्रदेश ने घटना की कड़ी निंदा की है। हालांकि, दिलीप सैकिया ने मुख्यमंत्री को इस विवाद में घसीटने के प्रयासों को सख्ती से खारिज कर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि पंचायत चुनाव प्रचार में लगे अन्य किसी कांग्रेस नेता के साथ इस प्रकार की घटना नहीं हुई, जिससे यह संदेह पैदा होता है कि कांग्रेस के भीतर *पैसा दो, टिकट लो* जैसी शिकायतों से नाराज कार्यकर्ता ही इसके पीछे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ कांग्रेस नेताओं ने भी इस पर सवाल उठाए हैं। सैकिया ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस घटना की जांच के आदेश पहले ही दे दिए हैं। साथ ही उन्होंने आशंका जताई कि यह हमला कांग्रेस द्वारा पूर्व नियोजित साजिश भी हो सकती है, जिसका उद्देश्य भाजपा की छवि को धूमिल करना है। सैकिया ने स्पष्ट किया कि भाजपा पार्टी और सरकार दोनों ने कभी भी विपक्षी नेताओं या कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा को प्रोत्साहित नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि इस हमले के सिलसिले में नगांव के पुलिस अधीक्षक ने आज स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै पर हमला कांग्रेस के नेता द्वारा ही किया गया था।

कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै पर हमले की घटना में कांग्रेस की संलिप्तता का आरोप

नगांव (हिंस)। कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै पर हुए हमले की घटना में कांग्रेस का नाम सामने आया है। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस से निष्कासित नेता इमदादुल इस्लाम के नेतृत्व में यह हमला किया गया। बताया जा रहा है कि गुंडों के दल नगांव और मोरीगांव जिलों से बुलाए गए थे। पुलिस ने हमलावरों की पहचान कर ली है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए आईजीपी अखिलेश कुमार सिंह और नगांव के एसपी ने जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि रविवार को सांसद प्रद्युत बरदलै और शिबामणि बोरा के काफिले पर पांच अलग-अलग गाड़ियों से हमला किया गया था। इस हमले का आरोप भाजपा पर लगाया गया था। लेकिन पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई त्वरित जांच से यह स्पष्ट हो गया कि हमला कांग्रेस कर्मियों द्वारा ही किया गया था।

केंद्रीय मंत्री सनोवाल ने किया चुनाव प्रचार

डिब्रूगढ़ (हिंस)। केंद्रीय मंत्री और डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद सर्बानंद सोनोवाल ने आज दुलियाजान, नाहरकटिया और टिंगखांग में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी गठबंधन के पंचायत उम्मीदवारों के समर्थन में व्यापक चुनावी प्रचार अभियान चलाया। सोनोवाल ने दुलियाजान के घांही फुकनबाड़ी खेल मैदान, नाहरकटिया के गरगुड़ी सार्वजनिक प्रेक्षागृह और टिंगखांग के बामुंबारी चाय बागान क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा-मित्रगठबंधन के प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने का आह्वान किया। अपने संबोधन में सोनोवाल ने कहा कि *ग्रामीण इलाकों का समग्र विकास भाजपा-मित्रगठबंधन का अटूट संकल्प है।* उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास की अनवरत गति को तेज करने के लिए भाजपा गठबंधन के प्रत्याशियों को भारी समर्थन देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मजबूत और समृद्ध पंचायतें ही ग्रामीण विकास की नींव को सुदृढ़ करेंगी। केंद्रीय मंत्री ने अपने भाषण में आगे कहा कि आगामी पंचायत चुनाव में जनता का अभूतपूर्व समर्थन और उत्साह पहले ही भाजपा की विजय यात्रा का संकेत दे चुका है। उन्होंने बोड़ो नववर्ष के संदर्भ में कहा कि अब बोहाग का समय है, जो असमिया जनजीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारी सात पीढ़ियों की विरासत और संस्कृति की शक्ति के साथ, मैं चाय बागानों में भी समर्थन मांगने के लिए हमारे सभी भाजपा-मित्रगठबंधन के प्रत्याशियों का आह्वान करता हूं। प्रत्येक पंचायत के प्रत्येक वार्ड में समर्पित सेवा के संकल्प के साथ, हमारे उम्मीदवार चुनावी रणभूमि में पूरे समर्पण के साथ उतरें। इन चुनावी सभाओं में केंद्रीय मंत्री सोनोवाल के साथ असम सरकार के मंत्री बिमल बोरा, राज्यसभा सांसद रमेश्वर तेली, दुलियाजान के विधायक तेरेस गोवाला, नाहरकटिया के विधायक तरंग गोगोई, प्रदेश भाजपा के सचिव बिकुल डेका, डिब्रूगढ़ जिला भाजपा अध्यक्ष दुलाल बोरा, और जिला अगप अध्यक्ष आदित्य गोस्वामी समेत भाजपा-अगप गठबंधन के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

कोकराझाड़ में एपीडीजे डॉग स्कॉट के साथ चला संयुक्त तलाशी एवं जांच अभियान

कोकराझाड़ (हिंस)। उग्रवादी हमले की हालत ही में मिली धमकी के मद्देनजर रेलवे सुरक्षा बल विभिन्न प्रकार से जांच और तलाशी अभियान जारी रखे हुए है। इसी कड़ी में आज कोकराझाड़ रेलवे सुरक्षा बल के निरीक्षक विनोद कुमार यादव के नेतृत्व में कोकराझाड़ के आरपीएफ, जीआरपी तथा एपीडीजे डॉग स्कॉट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रूप से कोकराझाड़ में ट्रेनों के अंदर और बाहर जांच करने के साथ ही कोकराझाड़ स्टेशन परिसर और रेलवे ट्रैक पेट्रोलिंग एवं जांच की गई। डॉग लैंडर (स्निफर) के साथ जांच के दौरान स्टेशन परिसर एवं एसएलकेएक्स की ओर पटरियों पर कोई भी संदिग्ध गतिविधि नहीं पाई गई।

गौविवि ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर दर्ज की सफलता की नई कहानी

गुवाहाटी (हिंस)। उत्तर-पूर्व भारत के सबसे पुराने उच्च शिक्षण संस्थान गौहाटी विश्वविद्यालय ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता का लोहा मनवाया है। टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में गौहाटी विश्वविद्यालय ने 1201-1500 के ग्लोबल बैंड में स्थान प्राप्त किया है। साथ ही, टीएचई एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में विश्वविद्यालय ने 351-400 स्थान के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों में 48वें स्थान पर अपना स्थान मजबूत किया है। यह उपलब्धि गौहाटी विश्वविद्यालय की निरंतर उन्नति और वैश्विक मंच पर बढ़ती प्रतिष्ठा का परिचायक है। गौरतलब है कि टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 को 23 अप्रैल को औपचारिक रूप से प्रकाशित किया गया था। ठीक इसके बाद, 25 अप्रैल को गौहाटी विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के बीच यह गौरवपूर्ण समाचार आया, जिसने विश्वविद्यालय समुदाय को गर्व से भर दिया। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कुलपति प्रोफेसर ननी गोपाल महंत ने कहा कि यह सफलता हमारे छात्रों, शिक्षकों और पूर्व छात्रों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रमों का कार्यान्वयन, डिजिटल विधियों को अपनाना और उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्यों की दिशा में उठाए गए कदमों ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह रैंकिंग हमें और भी ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करेगी। पिछले एक वर्ष में गौहाटी विश्वविद्यालय ने कई अहम मील के पत्थर पार किए हैं। विश्वविद्यालय ने एनएएसी से ए+ ग्रेड प्राप्त किया, 2024 के एनआईआरएफ रैंकिंग में राज्य विश्वविद्यालयों में 13वां स्थान हासिल किया, और आईएसओ 9001-2015 प्रमाणन भी अर्जित किया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के कई प्रोफेसर स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हुए हैं। विश्वविद्यालय का स्कोपस एच-इंडेक्स भी अब 106 पर पहुंच गया है। हाल ही में केंद्रीय संचार मंत्री द्वारा विश्वविद्यालय में 5जी लैब का उद्घाटन किया गया, जिससे तकनीकी अनुसंधान को नई गति मिली है। साथ ही, टीडीआरआई और एन आईईएलआईटी के साथ हुए समझौता ज्ञापनों के माध्यम से जलवायु अनुसंधान और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भी नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

आरपीएफ ने नाबालिगों और महिलाओं के बचाव और सुरक्षा कार्य किए तेज

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने असुरक्षित यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मानव तस्करी पर रोक लगाने के अपने संकल्पित कार्रवाई में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इस अवधि में आरपीएफ ने दो महिलाओं सहित कुल 71 नाबालिग लड़के एवं लड़कियों को रेस्क्यू किया और आवश्यक कार्रवाई हेतु उनलोगों को संबंधित चाइल्डलाइन, एनजीओ, माता-पिता तथा स्थानीय पुलिस प्राधिकारियों को सुरक्षित सौंप दिया। अपराध के खिलाफ कार्रवाई के तहत, आरपीएफ ने इन अभियानों के दौरान एक मानव तस्कर और एक अपहरणकर्ता को भी गिरफ्तार किया। दोनों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित जीआरपी/पुलिस अधिकारियों को सौंप दिया गया। न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ टीम ने एक मानव तस्कर को पकड़ा। इस अभियान में तीन नाबालिग लड़कों को भी रेस्क्यू किया गया। पकड़ा गया तस्कर और बचाए गए नाबालिगों को न्यू जलपाईगुड़ी जीआरपी थाना प्रभारी को सुपुर्द कर दिया गया, जहां बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। किशनगंज रेलवे स्टेशन पर किशनगंज आरपीएफ पोस्ट की टीम ने बिहार और पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से भागे हुए 10 नाबालिग लड़कों को रेस्क्यू किया। सभी लड़कों को काउंसलिंग और पुनर्वास हेतु चाइल्डलाइन, किशनगंज को सुपुर्द कर दिया गया।

राज्यपाल 12वीं सीनियर राष्ट्रीय रग्बी 7एस चैंपियनशिप के समापन समारोह में शामिल हुए

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य आज गुवाहाटी के इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित 12वीं सीनियर राष्ट्रीय रग्बी 7एस चैंपियनशिप 2025 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री आचार्य ने चैंपियनशिप को महज एक खेल आयोजन से कहीं बढ़कर बताया और इसे *युवा ऊर्जा, अनुशासन, टीम वर्क और समर्पण का एक सशक्त प्रदर्शन* बताया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए असाधारण खेल कौशल, समर्पण और प्रतिस्पर्धी भावना की सराहना की। राज्यपाल श्री आचार्य ने खेलों के व्यापक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि रग्बी जैसे खेल रणनीतिक सोच, टीम समन्वय और लचीलापन जैसे गुणों का पोषण करते हैं - ये कौशल खेल और व्यक्तिगत जीवन दोनों में आवश्यक हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को दोहराया, जिन्होंने एक मजबूत और जीवंत राष्ट्र के निर्माण में खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति का लगातार समर्थन किया है। राज्यपाल ने राज्य भर में खेलों को बढ़ावा देने में असम सरकार की सक्रिय भूमिका पर भी प्रकाश डाला। खेल महारण कार्यक्रम, ग्रामीण प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना, नए स्टेडियम और एथलीटों के लिए लक्षित वित्तीय सहायता जैसी पहल स्थानीय प्रतिभाओं के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर चमकने के रास्ते बना रही हैं। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को जीत और हार दोनों को सीखने के अनुभव के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, जो उनके अनुसार जीवन में चमकने की ताकत होगी। राज्यपाल श्री आचार्य ने चैंपियनशिप के आयोजन और खेल भावना को बढ़ावा देने में उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिए रग्बी इंडिया और असम रग्बी एसोसिएशन की प्रशंसा की। यह उल्लेख किया जा सकता है कि फाइनल मैच पश्चिम बंगाल और हरियाणा के बीच खेला गया था, जिसमें पश्चिम बंगाल ने जीत हासिल की। समारोह में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरूप कुमार गोस्वामी, पश्चिम गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामेंद्र नारायण कलिता, पुलिस आयुक्त डॉ. पार्थ सारथी महंत, रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव कौशर हिलाली, रग्बी इंडिया के सीईओ अंकुश अरोड़ा, असम रग्बी एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष बिपुलानंद पाठक, खेल विभाग के अधिकारी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मायुमं, नगांव समृद्धि शाखा का शपथ विधि समारोह संपन्न

नई अध्यक्षा बनी निमिषा अग्रवाल

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच, नगांव समृद्धि शाखा की नवनियुक्त अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह हैबरगांव के खूंटीकटिया स्थित डीआरटी रेस्टोरेंट के सभाकक्ष में रविवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सचिव सपना पेड़ीवाल ने मंच संचालन करते हुए सभा की अध्यक्षता हेतु शाखा अध्यक्षा ममता सिंघी, समारोह के मुख्य अतिथि नगांव मारवाड़ी पंचायत के सचिव एवं समृद्धि शाखा के सलाहकार रतन जाजोदिया, शाखा की संस्थापक अध्यक्षा रिंकू गिदड़ा, सचिव सपना पेड़ीवाल एवं कोषाध्यक्ष मुस्कान जाजोदिया को भी मंचासीन करवाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं असम के जातीय संगीत का सामूहिक गायन कर किया गया। ममता सिंघी ने अपना स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए उनके कार्यकाल में मिले सहयोग हेतु सभी सदस्याओं, समाज बंधुओं, सलाहकारों एवं दानदाताओं को धन्यवाद दिया। सचिव सपना पेड़ीवाल ने पिछले एक वर्ष में हुए कार्यों की संक्षिप्त रिपोर्ट सभा पटल पर रखी। मंचासीन अतिथियों के साथ शाखा के सलाहकारों का भी चुनरी ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। अध्यक्ष ममता सिंघी ने अपने कार्यकाल में मिले सहयोग हेतु अपने अध्यक्षीय पुरस्कारों की घोषणा कर सदस्याओं एवं स्पॉन्सर को मोमेंटो प्रदान किए। पत्रकारिता के क्षेत्र में मिले सहयोग हेतु उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार अजित माहेश्वरी, युवा पत्रकार पूजा माहेश्वरी, अजय महतो, बैद्यनाथ साहनी का अभिनंदन कर मोमेंटो प्रदान किए गए। नवनियुक्त अध्यक्ष निमिषा अग्रवाल को मुख्य अतिथि रतन जाजोदिया द्वारा, सचिव श्वेता ढ़ाढ़रिया, कोषाध्यक्ष मुस्कान जाजोदिया को मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष एवं समृद्धि शाखा के सलाहकार प्रदीप शोभासरिया द्वारा उपाध्यक्ष सारिका झंवर, सपना पेड़ीवाल को अग्रवाल सभा के अध्यक्ष पवन गाड़ोदिया द्वारा, सह सचिव दीपमाला बोकाडिया एवं प्रिया रातुसरिया को समाजसेवी विनोद मोर द्वारा एवं सभी कार्यकारिणी समिति की सदस्याओं को नगांव शाखा के पूर्व अध्यक्ष अरुण नागरका द्वारा पद की शपथ दिलाई गई। नई अध्यक्ष का मारवाड़ी सम्मेलन, तेरापंथ महिला मंडल, मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाखा एवं शिखर शाखा, श्री श्याम सेवा समिति, अग्रवाल सभा सहित विभिन्न संस्थाओं द्वारा अभिनंदन किया गया। नव अध्यक्ष निमिषा अग्रवाल ने अपने संबोधन में अपनी कार्यकाल के अंतर्गत भावी योजनाओं से सभा को अवगत कराया। संस्थापक अध्यक्ष रिंकू गिदड़ा, सरला बोरड़, विनोद मोर एवं अन्य ने अपने संबोधन में निवर्तमान अध्यक्ष ममता सिंघी को पिछले कार्यकाल हेतु साधुवाद देते हुए नई अध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम को बधाई प्रेषित की। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में सदस्याओ हेतु कार्यशाला आयोजन करने का सुझाव दिया। सभा में विलंब से पहुंचे पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के मंडलीय उपाध्यक्ष अमित चांडक एवं प्रांतीय अध्यक्ष राज चौधरी ने अपने संबोधन में सभी को बधाई देते हुए गमछा एवं चुनरी से अभिनंदन कर तिलक लगाकर अभिनंदन करने की परंपरा को चालू रखने हेतु अपने संकल्प को दोहराया सभा में प्रांत के स्थाई आमंत्रित सदस्य राकेश मालू, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी के साथ समाज के सुरेंद्र बंका, प्रदीप जाजोदिया, अजित माहेश्वरी, अशोक केजरीवाल, पवन गाड़ोदिया, ललिता बोथरा, विनीता खाटुवाला, संजय अग्रवाल, अरुण नागरका, संजय रातुसरिया, संजय मित्तल, युवा मंच नगांव एवं शिखर शाखा के सदस्य सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभा के अंत में सचिव श्वेता ढ़ाढ़रिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रेषित किया गया एवं राष्ट्र गान के साथ सभा विसर्जित की गई। उक्त आशय की जानकारी शाखा की जनसंपर्क अधिकारी पिंकी नागरका ने प्रदान की।

भयानक सड़क हादसा तीन बाइक सवारों की मौत

लखीमपुर (हिंस)। असम के गोगामुख-ढकुवाखाना को जोड़ने वाले 22 नंबर राज्य राजमार्ग पर एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि एक ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। मृतकों की पहचान सौरभज्योति चामुआ, स्वप्नदीप गोगोई और सेमी सैकिया के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल अवस्था में तीनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर हादसा करने वाले ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

विश्वनाथ : रामकृष्ण संघ की ओर से पहलगाम घटना के विरोध में निकली

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआलि शहर के रामकृष्ण संघ द्वारा रविवार को गत 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हिंदुओं के ऊपर आतंकवादी हमले में निरीह 28 लोगों की हत्या के विरोध में कल विरोध कार्यक्रम रखा किया। सर्वप्रथम प्रतिवाद सभा में भारतीय सनातन हिंदू तथा भारतीय नागरिक के ऊपर हुए नरसंहार के विरोध में प्रतिवादी सभा और श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया। बिश्वनाथ चारिआलि के समाजसेवक भास्कर हजारिका, विश्व हिंदू परिषद के बजरंग रौनियार और रामकृष्ण संघ भाव प्रचार परिषद के नीलकमल सन्याल के साथ-साथ बिश्वनाथ के प्रमुख व्यक्ति भी शामिल हुए।

फकीराग्राम में आयोजित तीन दिवसीय आंचलिक रंगली बिहू कार्यक्रम संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम हायर सेकेंडरी विद्यालय के मैदान में आयोजित तीन दिवसीय आंचलिक रंगली बिहू कार्यक्रम का आयोजन आज संपन्न हुआ। समापन कार्यक्रम में मुकली बिहू प्रतियोगिता, बिहू कुंवारी प्रतियोगिता, बिहू माइना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके एलाना सांस्कृतिक शोभायात्रा का फीता काट उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दोतमा सर्किल अधिकारी अनिन्दीता ब्रह्म ने किया। शोभायात्रा विभिन्न मार्गो से होकर वापस हायर सेकेंडरी मैदान पहुंची। जहां पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में फकीराग्राम आंचलिक रंगली बिहू आयोजक समिति के अध्यक्ष नजमूल हक मौजूद थे। पुरस्कारों में विभिन्न खेल खुद, मुकली बिहू, बिहू कुंवारी प्रतियोगिता, बिहू माइना प्रतियोगिता प्रथम आदि शामिल हैं। इस प्राइज वितरण कार्यक्रम को डॉ. मानिक बरुवा, डॉ. कैलासपति नाथ, मानस दास, डॉ. राजुल करीम, गोपाल घोष आदि में प्रतियोगियों को पुरस्कार देकर संपन्न किया। इस मौके पर पेपा नामक स्मृति ग्रन्थ का लोकार्पण प्रचार्य उर्मिला राय ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में 30 नंबर कोकराझाड़ के विधायक लोरेंस इस्लारी के अलावा स्वयंसेवक सुकुमार देबनाथ, रुपम दत्त, कृष्ण चंद्र नाथ उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ। सांस्कृतिक संध्या कायर्चक्रम के बाद तीन दिवसीय रंगाली बिहू का आयोजन सोल्लास समापन हुआ।

वनबंधु परिषद ने अधिष्ठापन समारोह का आयोजन किया

गुवाहाटी (विभास)। वनवंधु परिषद गुवाहाटी महिला समिति की वार्षिक साधारण सभा नगर के एक होटल में 26 अप्रैल को हुई। सभा का प्रारंभ ब्रह्मनाद के साथ किया गया। अध्यक्ष वंदना की माताजी एवं पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में शहीद हुए 26 हिंदू भाइयों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। अध्यक्ष वंदना बगडिया ने सर्वप्रथम सभा में उपस्थित सभी बहनों का सम्मान किया एवं अपने स्वागत भाषण से सभा का शुभारम्भ किया। सचिव किरण खेतान ने वर्ष 2024-25 की संपूर्ण रिपोर्ट का विवरण प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष अंजू महेश्वरी ने भी पूरे वर्ष की वित्तीय लेखा-जोखा सदस्यों के सामने प्रस्तुत किया। सभी प्रभारी वनयात्रा प्रभारी, सेवापात्र प्रभारी, संक्रान्ति प्रभारी, प्रदर्शनी प्रभारी, आचार्य डिजिटल प्रभारी एवं मीडिया प्रभारी ने भी अपनी अपनी सालाना रिपोर्ट पढ़ कर सुनायी। तत्पश्चात 2025-27 की नई कार्यकारिणी समिति का स्वागत एवं परिचय कराया गया। अध्यक्ष वंदना बगड़या ने नव निर्वाचित अध्यक्ष चंदाअग्रवाल का गमछा पहनाकर एवं महिला समिति के अध्यक्ष का बैच लगाकर सम्मानित किया। सचिव ने भी नवनिर्वाचित सचिव बर्षा गाडोदिया को गमछा पहनाकर एवं सचिव का बैच लगाकर सम्मानित किया। अंजूला सरावगी को कोषाध्यक्ष का भार सौंपा गया। सभी नव निर्वाचित टीम के बाकी सदस्यों का भी परिचय करा कर काम की जिम्मेदारी सौंपी गई। निवर्तमान अध्यक्ष वंदना बगड़या ने अपने कार्यकाल में सहयोग के लिए संस्था की सभी सदस्यों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया एवं नई टीम को अपनी जिम्मेदारी बढ़-चढ़कर निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। सभी सदस्यों ने तालियों की गडगडाहट से नई टीम का स्वागत किया एवं उनके कार्यकाल में हर तरह के कार्यक्रम में विशेष सहयोग देने का समर्थन किया। वर्तमान सचिव वर्षा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया एवं नई टीम के साथ सुचारु रूप से संस्था के कार्यों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी ली। उत्तर पूर्वोत्तर की जोनल अध्यक्ष ललितजी जैन ने भी नव निर्वाचित टीम का स्वागत करते हुए आगे होने वाले राष्ट्रीय और जोनल कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी सबको दी। 3-4 सितंबर को जमशेदपुर में होने वाली जोनल सभा की जानकारी दी। अंत में सचिव ने सबको धन्यवाद दिया और शांति पाठ के बाद सभा का समापन किया गया। मीडिया प्रभारी बिमला बजाज ने बताया कि हमारी संस्था वनवासी बच्चों के लिए उत्तर पूर्वी गावों में 7000से भी ज्यादा एकल विद्यालयों का संचालन करती आ रही है जहां बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के साथ साथ स्वावलंबी भी बनाया जाता है। तत्पश्चात सभी बहनों ने लाजवाब स्वादिष्ट हाई टी का आनंद लिया।

संपादकीय

'आतंकिस्तान' का कबूलनामा

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रहस्योद्घाटन किया है कि पाकिस्तान पिछले तीन दशकों से अमरीका, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों के लिए आतंकवाद जैसा 'गंदा धंधा' कर रहा था। हमने आतंकियों को पालने-पोसने, टेऊनिंग देने और पैसा देने का काम किया है। जाहिर है कि पाकिस्तान में आतंकी संगठन सक्रिय रहे हैं। हमने बहुत बड़ी गलती की है, जिसका खामियाजा हमने भुगता है। हमने सोवियत संघ के खिलाफ 1980 और 90 के दशक में और फिर न्यूयॉर्क में 9/11 आतंकी हमले के बाद अमरीका का सहयोग नहीं किया होता, तो आज हमारा 'टैऊक रिकार्ड' (आतंकवाद के मामले में) कहीं बेहतर होता! पाक रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान में अमरीका ने सोवियत संघ के खिलाफ जंग में आतंकियों को खुलकर समर्थन दिया था।' बहरहाल सोवियत संघ का अस्तित्व खत्म हो चुका है। अमरीकी सेनाओं के अफगानिस्तान को छोड़ कर गए कई साल गुजर चुके। जो तालिबान वैश्विक पटल पर 'आतंकवादी' थे, वे आज अफगानिस्तान में हुकूमत कर रहे हैं, लेकिन आज अफगानिस्तान पाकिस्तान को 'नंबर 1 दुश्मन' मानता है और सरहद पर लड़ाई जारी है। वैसे तो पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की कीमत दो टके की है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके कबूलनामे को मान्यता दी जाएगी। उन्होंने अमरीका के 'स्काई टीवी' के एक लाइव शो में यह कबूला है कि पाकिस्तान आतंकियों का मुल्क है। बहरहाल पाकिस्तान के मौजूदा हालात के मद्देनजर यह 'नंगई वाला बयान' है। अफगानिस्तान में लडऩे के बाद पाकिस्तान के आतंकियों और उनके आकाओं को एहसास हुआ कि वे भारत के खिलाफ जेहाद का इस्तेमाल कर सकते हैं, लिहाजा 90 के दशक से वर्ष 2000 तक दुनिया में जहां भी आतंकी हमले हुए, वहां पाकिस्तान की मौजूदगी और उसके सबूत पाए गए। भारत में भी जेहाद की आड़ में पाकपरस्त आतंकवाद और कश्मीर में अलगाववाद 90 के दशक में ही पनपे और फैलते गए। पाकिस्तान में आतंकियों को जेहादी ही नहीं, मुल्क के नायक और स्वतंत्रता सेनानी तक माना जाता रहा है। जिन आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में नरसंहार किया था, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इसहाक डार उन्हें भी 'स्वतंत्रता सेनानी' मान रहे हैं। फिर वह संभावना जताने लगते हैं। चूंकि पाकिस्तान 'फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स' (फाट्फ) को लिखित आश्वासन दे चुका है कि उनके मुल्क में आतंकी मौजूद नहीं हैं और न ही हुकूमत आतंकी संगठनों को पैसा और पनाह देती है। पहलगाम नरसंहार के बाद पाकिस्तान में जो खलबली मची है, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के मुख्यालयों में स्थित मस्जिदें और मदरसे खाली कराए गए हैं। करीब 200 एकड़ में फैले लश्कर के मदरसों में पढऩे वाले करीब 2000 छात्र और मौलवी-मौलाना वहां से चले गए हैं। आतंकियों और छात्रों-मौलानाओं को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। पाकिस्तान में ऐसा किस खौफ और संभावित हमले के मद्देनजर किया गया है? खबर तो यह भी है कि लश्कर के सरगना हाफिज सईद को एबटाबाद के 'आईएसआई सेफ हाउस' में रखा गया है। इसी इलाके में अलकायदा का सरगना ओसामा बिन लादेन छिपा था, जहां अमरीका के कमांडो सैनिकों ने उसे ढेर किया था।

> पाकिस्तान पिछले तीन दशकों से अमरीका, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों के लिए आतंकवाद जैसा 'गंदा धंधा' कर रहा था। हमने आतंकियों को पालने-पोसने, टेऊनिंग देने और पैसा देने का काम किया है। जाहिर है कि पाकिस्तान में आतंकी संगठन सक्रिय रहे हैं। हमने बहुत बड़ी गलती की है, जिसका खामियाजा हमने भुगता है। हमने सोवियत संघ के खिलाफ 1980 और 90 के दशक में और फिर न्यूयॉर्क में 9/11 आतंकी हमले के बाद अमरीका का सहयोग नहीं किया होता, तो आज हमारा 'टैऊक रिकार्ड' (आतंकवाद के मामले में) कहीं बेहतर होता! पाक रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान में अमरीका ने सोवियत संघ के खिलाफ जंग में आतंकियों को खुलकर समर्थन दिया था।' बहरहाल सोवियत संघ का अस्तित्व खत्म हो चुका है। अमरीकी सेनाओं के अफगानिस्तान को छोड़ कर गए कई साल गुजर चुके। जो तालिबान वैश्विक पटल पर 'आतंकवादी' थे, वे आज अफगानिस्तान में हुकूमत कर रहे हैं, लेकिन आज अफगानिस्तान पाकिस्तान को 'नंबर 1 दुश्मन' मानता है और सरहद पर लड़ाई जारी है।

कश्मीर को सुरक्षित माने जाने से कश्मीर में देश और दुनिया के पर्यटकों के कदम तेजी से बढने लगे

कश्मीर में पर्यटन पर आतंकी आघात

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन 22 अप्रैल को कश्मीर की सबसे खूबसूरत वादियों में से एक और भारत का स्विटजरलैंड कहे जाने वाले पहलगाम में 26 पर्यटकों को क्रूरतापूर्वक मारे जाने के आतंकी हमले ने जम्मू-कश्मीर में उभरते हुए पर्यटन क्षेत्र को करारा झटका दिया है। साथ ही इस हमले ने कश्मीर में पर्यटन से जुड़े लाखों कश्मीरियों के जीवन में निराशा की काली चादर ढंक दी है। कश्मीर में लगभग 5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन उद्योग-कारोबार में रोजगार मिला हुआ है। इनमें से अधिकांश के लिए टैक्सी सर्विस, होटल, गाइड, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां जीविका का साधन है। अब इस आतंकी हमले के बाद कश्मीर में रिकार्ड तोड़ती पर्यटकों की संख्या दम तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में पर्यटक अपनी होटल व फ्लाइट बुकिंग कैंसिल करा रहे है। इसका सीधा असर स्थानीय कश्मीरी लोगों और वहां के पर्यटन उद्योग और कारोबार पर दिखाई देने लगा है। गौरतलब है कि 1990 के दशक में जब कश्मीर में आतंकवाद ऊंचाई पर था और जब कश्मीरी पंडित कश्मीर छोडक़र जा रहे थे, तब कश्मीर में पर्यटकों की संख्या नगण्य हो गई थी, लेकिन कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और विधानसभा चुनाव के बाद कश्मीर को सुरक्षित माने जाने से कश्मीर में देश और दुनिया के पर्यटकों के कदम तेजी से बढने लगे। पर्यटन की ताकत के दम पर जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था तेजी से बढने लगी। वर्ष 2024-25 में कश्मीर की विकास दर 7 फीसदी से अधिक रही है। साथ ही कश्मीर का सकल घरेलू उत्पाद (एसजीडीपी) करीब 2.65 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यहां के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भी करीब 11 फीसदी बढक़र डेढ़ लाख रुपए से अधिक हो गई है। बेरोजगारी दर भी घटी है। यदि हम पर्यटकों की संख्या देखें तो यह वर्ष 2020 में करीब 34 लाख थी। वर्ष 2023 में जम्मू और कश्मीर में 2.11 करोड़ पर्यटक पहुंचे थे। यह संख्या वर्ष 2024 में बढक़र 2.36 करोड़ पहुंच गई, जो एक रिकार्ड है। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि इस समय कश्मीर के पर्यटन उद्योग का आकार लगभग 12 हजार करोड़ रुपए का है। कश्मीर में आर्थिक गतिविधियों के दायरे में वृद्धि होने से जम्मू-कश्मीर की आर्थिकी में सेवा क्षेत्र का योगदान करीब 61 फीसदी हो गया है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह करीब 55 फीसदी ही है। कश्मीर में गैर कर राजस्व (एनटीआर) में पर्यटन क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढक़र 25 फीसदी से अधिक हो गई है। लेकिन अब इस आतंकी हमले ने कश्मीर के पर्यटन पर ब्रेक लगा

दिया है। पहलगाम आतंकी हमले ने वर्ष 2019 में कश्मीर के पुलवामा में हुए आत्मघाती आतंकी हमले की याद दिला दी है, जिसके कारण कश्मीर में पर्यटन को बड़ा झटका लगा था और 2019 में कश्मीर में आने वाले पर्यटकों की संख्या घटकर आधी रह गई थी। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला कश्मीर पर कई आर्थिक चुनौतियां लेकर आया है। कश्मीर का बढ़ता हुआ पर्यटन उद्योग कश्मीर की नई आर्थिक शक्ति है। यदि हम एक दशक पहले के कश्मीर की आर्थिकी को देखें तो पाते हैं कि कश्मीर की आर्थिकी में केंद्र सरकार के द्वारा दिए गए संसाधनों की अधिक भूमिका रही है। जम्मू-कश्मीर के अधिकांश लोग जीवन निर्वाह के लिए परंपरागत कृषि कार्य में लगे हुए दिखाई देते हैं। लेकिन उनकी कृषि में परंपरागत साधनों का ही उपयोग किया जाता रहा है। यद्यपि कश्मीरी लोग चावल, मक्का, गेहूं, जौ, दालें, तिलहन तथा तम्बाकू आदि उत्पादित करते हैं। साथ ही कश्मीर में बड़े-बड़े बागों में सेब, नाशपाती, आड़ू, शहतूत, अखरोट और बादाम उगाए जाते है, लेकिन इन सबकी उत्पादकता बहुत कम है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में देशी और विदेशी पर्यटकों के बढऩे का परिणाम यह रहा है कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में सुधार होने लगा है। कश्मीर के हस्तशिल्प और छोटे उद्योगों का विकास दिखाई देने लगा है। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख हस्तशिल्प उत्पादों में कागज़ की लुगदी से बनी वस्तुएं, लकड़ी पर नक्काशी, कालीन, शॉल और कशीदाकारी का सामान आदि शामिल हैं। कश्मीर के प्रसिद्ध पश्मीना का उत्पादन यहीं पाली जाने वाली बकरियों से होता है। रेशम पालन भी कश्मीर में बहुत प्रचलित है। हस्तशिल्प उद्योग से काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा अर्जित होती है। इसके साथ ही परिशुद्धता की जांच करने वाले उपकरण, धातु के बरतन, खेल का सामान, फर्नीचर, माचिस और राल व तारपीन जम्मू-कश्मीर के मुख्य औद्योगिक उत्पादन है।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद देश के अन्य क्षेत्रों से इन छोटे उद्योगों एवं हस्तशिल्प क्षेत्र में नई पूंजी प्राप्त होने से ये उद्योग आगे बढऩे लगे हैं। इसका फायदा यहां के लोगों को सीधे तौर पर रोजगार के अवसर के रूप में मिलने लगा है। ऐसे में कश्मीर से अपने घर को छोडक़र दूसरे राज्यों में नौकरी के लिए जाने वाले युवाओं की संख्या में कमी आने लगी है। कश्मीरी लोगों की प्रति व्यक्ति आय में इजाफा होने के साथ-साथ जीवनस्तर में सुधार होने लगा है। नया देशी-विदेशी निवेश आने से बुनियादी ढांचे, शिक्षा सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा होने के साथ जम्मू-कश्मीर में आर्थिक-सामाजिक खुशहाली बढऩे लगी है। कश्मीर में प्रॉपर्टी के दामों में उछाल का लाभ जम्मू-कश्मीर के लोगों को मिलने लगा है। ऐसे में पहलगाम में आतंकी हमला न केवल कश्मीर के पर्यटन उद्योग की रीढ़ तोड़ते हुए दिखाई दे रहा है, वरन् इससे पूरे देश में पर्यटन उद्योग और बढ़ते विदेशी पर्यटकों की संख्या पर भी असर पड़ सकता है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीसी) के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा पर्यटक क्षेत्र से आता है। भारत में पर्यटन उद्योग का आकार वर्ष 2024 में लगभग 256 अरब डॉलर रहा है। पर्यटन उद्योग भारत में करीब 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। तेजी से बढ़ता भारत का पर्यटन उद्योग अगले 10 वर्षों में 523 अरब डॉलर का हो सकता है। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पहलगाम में आतंकी हमले से निर्मित चुनौती का प्रतिकार करते हुए आतंकियों व पाकिस्तान को ऐसा सबक देगी, जिससे भविष्य में वे ऐसा दुस्साहस नहीं कर पाए। सरकार के द्वारा पाकिस्तान सहित दुनिया को यह संदेश भी दिया जाए कि भारत अब साफ्ट स्टेट नहीं रहा, वह वैचारिक स्तर पर भी आतंक को समूल खत्म करने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। निस्संदेह अब कश्मीर सहित पूरे देश की निगाहें सरकार के द्वारा पहलगाम पर हुए आतंकी हमले के पर्यटन संबंधी दुष्परिणामों को दूर करने और पाकिस्तान और आतंकियों का दुस्साहस तोडऩे की ऐसी रणनीति पर लगी हुई है, जिससे फिर से कश्मीर सहित पूरे देश में पर्यटन की निराशायुक्त काली छाया को पर्यटन की नई आशाओं में बदला जा सके। इस बात को ध्यान में रखा जाना होगा कि कश्मीर में फिर से पर्यटकों की बहार के दम पर ही भारत में वर्ष 2030 तक विदेशी पर्यटकों से 56 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2047 तक भारत को एक लाख करोड़ डॉलर की पर्यटन अर्थव्यवस्था बनाने की डगर पर तेजी से आगे कदम बढाए जा सकेंगे।

> कश्मीर में लगभग 5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन उद्योग-कारोबार में रोजगार मिला हुआ है। इनमें से अधिकांश के लिए टैक्सी सर्विस, होटल, गाइड, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां जीविका का साधन है। अब इस आतंकी हमले के बाद कश्मीर में रिकार्ड तोड़ती पर्यटकों की संख्या दम तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में पर्यटक अपनी होटल व फ्लाइट बुकिंग कैंसिल करा रहे है। इसका सीधा असर स्थानीय कश्मीरी लोगों और वहां के पर्यटन उद्योग और कारोबार पर दिखाई देने लगा है।

दृष्टि कोण

बेरोजगारी : सही नीति निर्धारण से समाधान संभव

संपूर्ण भारतवर्ष में ही बेरोजगारी एक गंभीर तथा जटिल समस्या बनी हुई है। विभिन्न विश्वव्यापी घटनाओं तथा प्राकृतिक आपदाओं जैसे कोविड, बाढ़ आदि ने इसे और भी जटिल बना दिया है। बेरोजगारी व्यक्ति के लिए निर्धनता, समाज के लिए अपमानजनक तथा राष्ट्र के लिए मानवीय संसाधन की हानि का प्रतीक है। बेरोजगार वे व्यक्ति होते हैं जो पंद्रह से साठ वर्ष की आयु वर्ग में होते हैं और वे काम करने के इच्छुक हैं, पर उनके पास काम नहीं होता। हिमाचल प्रदेश में भी बेरोजगारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। हिमाचल में संपन्न हुए चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में राज्य में युवाओं को 5 लाख रोजगार के अवसर सृजित करने का वादा किया था। इस गारंटी को पूरा करने के लिए एक मंत्रिमंडलीय उप-समिति भी गठित की है। इस गारंटी को पूरा करना वर्तमान सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार की कैबिनेट उप-समिति, जो संसाधन जुटाने के सुझाव के लिए बनाई गई है, ने सरकार को अनुशंसित किया है कि हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु को 58 वर्ष से 59 वर्ष किया जाए। घाटे में चले हुए कुछ उपक्रमों को बंद करने की भी सिफारिश की है। अगर सरकार इन निर्णयों को लेती है तो बेरोजगार युवा और हताश होंगे और नशाखोरी एवं नशे के कारोबार में ज्यादा संलिप्त होंगे। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में 8 लाख से भी अधिक बेरोजगार हैं। आंकड़ों के मुताबिक बेरोजगारी दर हर साल एक प्रतिशत के हिसाब से बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी के मुख्य कारण हैं-औद्योगिकीकरण की कमी, सरकारी नौकरियों पर निर्भरता, कौशल विकास की कमी, कृषि और पर्यटन में मौसमी रोजगार तथा शिक्षा का स्तर आदि। हिमाचल प्रदेश को कुदरत ने बहुत से प्राकृतिक संसाधनों से नवाजा है। अगर सही ढंग से इनका दोहन किया जाए तो यहां कोई भी बेरोजगार नहीं रहेगा। बेरोजगारी के निवारण के लिए हिमाचल प्रदेश को ठोस नीति बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए वेतनभोगी नौकरियों के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है। सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। युवाओं को स्वरोजगार की तरफ भी अपनी रुचि को मोडऩा होगा। हिमाचल प्रदेश में वेतनभोगी रोजगार या नौकरियां भिन्न-भिन्न विभागों में खाली पड़े पदों पर पारदर्शी प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से बेरोजगारों को दी जा सकती हैं। इसके लिए बेरोजगार युवा पिछले कई वर्षों से प्रदर्शन करते रहे हैं। सरकारी विभागों में इस समय हजारों की संख्या में खाली पद पड़े हैं। विभिन्न विभागों में खाली पदों के होने से जनता के काम सुचारू रूप से नहीं होते। हिमाचल प्रदेश सरकार ने जो भर्तियां अभी तक की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में बहुत कम हैं, बाकी पदों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरा जा रहा है। आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती न ही युवाओं के लिए सही है और न ही सरकार के लिए, क्योंकि अगर आउटसोर्सिंग के कर्मियों ने किन्हीं कारणों से काम बंद कर दिया तो सरकार के सभी दफ्तरों के काम बंद हो जाएंगे। आउटसोर्सिंग से काम की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। हिमाचल प्रदेश में वेतनभोगी रोजगार के साधन सीमित हैं, परंतु कृषि एवं बागबानी, पर्यटन, हाइड्रो पावर परियोजनाओं तथा खनिज क्षेत्र में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन तथा पनबिजली दो ऐसे क्षेत्र हैं जिनका सही नीति निर्धारण कर अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ रोजगार को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश सैलानियों के लिए स्वर्ग है। लोग देश और विदेशों से हिमाचल प्रदेश में पर्यटक स्थल, धार्मिक स्थल, मंदिर आदि देखने आते हैं। एक अच्छी पर्यटक नीति, अच्छी सडक़ें, हवाई हड्डे, सैलानियों के ठहरने के लिए अच्छी व्यवस्था, पर्यटकों के जान-माल और शोषण की रक्षा आदि से पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

कुछ अलग

फटी अखबार पर मीडिया

अचानक उस पैसे वाले को लगा कि छवि चमकाने के लिए एक मीडिया हाउस खोलकर अखबार से लेकर डिजीटल माध्यम चला लेना चाहिए। पैसे वाले साहूकार ने इसलिए सलाहकारों का पैनल बनाकर एक दिन मीटिंग रख दी। राजनेता मित्र को बुलाया और पूछा आपको कैसा मीडिया चाहिए, तो उत्तर मिला, 'राजनीति को अब मीडिया का बिछौना चाहिए, जिसे चिपका कर चुनाव प्रचार किया जा सके और जिसे बिछाकर सरकार चल सके। इसमें काफी किफायत और बरकत है। अगर अखबार को सियासत के जरिए बचे रहना है तो बिछना सीख ले।' यह सुनकर अखबार बिफर गई। चुनावी रैली उसे बिछा कर खाना खा रही थी कि अखबार ने चालाकी में वहां से उडऩा मंजूर कर लिया। वह उड़ती-उड़ती चुनाव प्रचार कार्यालय लौट आई। यह देखते ही वहां पार्टी के एक कार्यकर्ता ने उसे जमीन से उठाया। ठीक से झाड़ा और प्रचार के लिए मिले नोटों की गड्डियों के इर्द गिर्द लपेट दिया। अखबार की सांस घुट रही थी। उसने नोटों से पूछा, 'कहां से आए, कहां जा रहे हो।' नोट कडक़ थे, अहंकार की अकड़ से भरे थे। उन्हें अखबार का इस तरह प्रश्न पूछना पसंद नहीं आया। कल इसी अखबार के पत्रकार ने चुनावी चंदा लिया था। वे नोट भी पूरे थे। सारा साल मीडिया की रोजी-रोटी में चुनावी प्रचार होता है, तो बुरा नहीं लगता, मगर इसमें पैसे को लपेटने और बांटने के लिए गोपनीयता बरती, तो अखबार के पन्ने बोल पड़े। चुनावी फंड और अखबार की लड़ाई बढ़ गई, तो एक तरफ नेता थे, दूसरी तरफ मीडिया के मुगल थे। नेताओं ने डांटने के लहजे से दो टके की अखबारी रद्दी से पूछा, 'है तेरी इतनी औकात कि चुनाव प्रचार के सारे खर्च को ढो पाए। तेरा तो हर शब्द बिका है, तेरा तो हर मर्म बिका है।' अखबार की छाती से लिपटे नोट उसे दर्द दे रहे थे। वह जहां तक संभव था, लड़ती रही, चुनाव, चुनाव के धंधे में प्रचार और प्रचार में मीडिया के इस्तेमाल से। अंततः वो फट गई, तो कार्यकर्ता के 'हक' के पैसे गिरते-गिरते बचे। उसने नोट बचाने के लिए अखबार को और नीचे गिराने के लिए धक्का दे दिया। फटी हुई अखबार का एक हिस्सा मालिक के चरणों में, दूसरा संपादक और तीसरा पत्रकारों के पास आकर गिरा। मालिक को अखबार का टुकड़ा गर्म लगा, संपादक को बेरहम लगा, जबकि पत्रकार यह तय नहीं कर पा रहा था कि अखबार ज्यादा ठंडी है या उसका किरदार। हर किसी को अपने-अपने हिस्से की सूचना मिली थी। मालिक को मिला टुकड़ा रंगीन था, लेकिन विज्ञापन की वजह से दीन था। अखबार के इस टुकड़े में भी टुकड़े-टुकड़े विज्ञापन थे। ऐसे ज्योतिषियों के, जो मनमुटाव पर शादी तुड़ाने का यंत्र भेज सकते थे, राजनेताओं को चुनाव की टिकट और विरोधियों के छक्के छुड़ाने का विज्ञापन कर रहे थे। कोई क्रीम सारी कालिख मिटा कर सुंदर बना रही थी, तो साथ लगता विज्ञापन उचित वर ढूंढ कर ला रहा था। संपादक ने अपने हिस्से के टुकड़े को समझने के लिए पहले सामने रखे 'रुह अफजाह शरबत' का घूंट भरा, लेकिन खबर का मजा नहीं आया। पुनः मजे के लिए बाबा रामदेव का 'रोज' शरबत उस रोज भी उठा लिया। पीते ही संपादक की धडक़न तेज हो गई। उसने तुरंत अलोम-विलोम किया। फिर दंडवत मुद्रा में स्वीकार किया कि संपादक को भी बाबा हो जाना चाहिए। उसे बिना शीर्षासन चक्कर आ रहा था, क्योंकि अखबार के टुकड़े में एक और बाबा भी आंख दिखा रहा था। अखबार के उसी टुकड़े में उसे एक कोने में देश के दर्शन हुए।

देश दुनीया से

कश्मीरियों को नहीं पसंद पाकिस्तानियों का दखल

पहलगाम में गत सप्ताह जिस तरह मौत का तांडव मचा, जब आतंकवादियों ने पहचान के आधार पर छांट-छांट कर सैलानियों को गोलियों का शिकार बनाया, उससे किसी सख्त से सख्त दिल तक की रीढ़ में सिहरन दौड़ जाए। इन पर्यटकों में अधिकांश भारत के छोटे शहर जैसे कि शिवमोगा, पनवेल, विशाखापट्टनम, नेल्लोर, थाणे, करनाल, हैदराबाद, भावनगर, लोअर सुबानगिरी के ताजांग गांव, कोझीकोड जैसी जगहों से कश्मीर घूमने आए थे। जन्म से ही हमें बताया जाता है कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत एक है। अगर 2008 के मुंबई हमलों का उद्देश्य भारत के वित्तीय राजधानी को पंगु करना और इस तरह भारत को अपने घुटनों पर लाना था, तो बैसरन के अपराधियों का संदेश और भी स्पष्ट है कि मुस्लिम बहुल कश्मीर को सामान्य बनाने की कोशिश न की जाए, जो कि 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' का हृदयस्थल है और यह फलसफा जितना जायज विभाजन के वक्त था, उतना ही आज भी है। हिंदू और मुसलमान अलग-अलग हैं और उन्हें पृथक ही रहना होगा। इसलिए एक पल के लिए भी यह मत सोचिएगा कि कन्नड़, मलयाली, महाराष्ट्रीयन, गुजराती और हरियाणवी कश्मीर के मैदानों में मनमाफिक विचरेंगे और झूठमूठ मान लेंगे कि वे स्विट्ज़रलैंड में सैर कर रहे हैं– हालांकि मानने की बात कि यह इलाका स्विट्ज़रलैंड से कहीं ज्यादा खूबसूरत है- सिर्फ इसलिए कि मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिया है और इसके वर्तमान को नया स्वरूप प्रदान करना चाहती है। लेकिन अगर आप इस बारे में विचार करें, तो बैसरन का संदेश वास्तव में काफी अलग है। जिस तरह से कश्मीरी लोग इस नृशंस नरसंहार की निंदा करने के लिए उठ खड़े हुए हैं, उमर अब्दुल्ला से लेकर टट्टू की सवारी करवाकर रोजी-रोटी कमाने वाले सैयद आदिल हुसैन शाह के परिवार तक, जिसने एक आतंकवादी के हाथ से बंदूक छीनने की कोशिश की और आतंकी ने उसे मार डाला। इससे यह स्पष्ट संदेश गया कि हफ्ते का दिन कोई भी हो, कश्मीरी आवाम अलगाववाद के प्रयोजन को बढ़ावा देने वाले ढोंगियों की बजाय शांति बनाए रखने को तरजीह देना चाहता है। जब से समूची मुस्लिम बहुल घाटी में 'आज़ादी' के नारे गूंजने के बाद कश्मीरी पंडितों का पलायन हुआ था और बाद के तमाम सालों में विद्रोही गतिविधियां जारी रहीं, 35 वर्षों में यह पहली बार है जब कश्मीर के मुसलमान एक बार फिर से तथाकथित 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के मलबे पर थूक रहे हैं। सबसे पहले उन्होंने यह 1947 में किया था, जिसने घुसपैठिए भेजने वाला नव-स्वतंत्र पाकिस्तान को नाराज़ कर डाला। फिर भारतीय सेना को कारगिल की चोटियों पर काबिज हुए घुसपैठियों की पहली सूचना देकर उन्होंने 1999 में भी यही किया। आज फिर से वही कर रहे हैं। यह सच है कि 2019 में अनुच्छेद-370 को बहुत ही असहज तरीके से हटाया गया, जिसके कारण बहुत लोगों को कर्फ्यू के कारण लंबे समय तक अपने ही घरों में कैद रहना पड़ा था। साथ ही,

संवैधानिक रूप से गारंटी के रूप में प्रदत्त उनके अधिकारों का हनन का आक्षेप है। लगा कि आम कश्मीरी के पास खुलकर सांस लेने की जगह बहुत कम बची। लेकिन, अंततः मांएं और बच्चे पार्कों में बेधड़क बैठकर दिन भर की घटनाओं पर गप-शप करने की साधारण किंतु कीमती आजादी का अनुभव कर पाए। बच्चे फिर से स्कूल जाने लगे और स्कूल की दीवारें इतनी छोटी हैं कि आप उन्हें अंदर फुटबॉल खेलते हुए देख सकते हैं। श्रीनगर में झेलम के तट पर काले हिजाब में महिलाएं पुरुष साथियों के साथ बैठकर आइसक्रीम का लुत्फ लेते दिखाई देती हैं। शेष हिंदुस्तान अमीर खुसरो की जन्नत की ओर उमड़ने लगा, पिछले साल दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए। इन दिनों, आत्म-सम्मान, स्वायत्तता और श्रीनगर-जम्मू और दिल्ली के बीच अक्सर तनावपूर्ण संबंधों को लेकर चलने वाली बहस पर ध्यान कुछ हटा हुआ है। फिलहाल जिस मुद्दे पर बहसें होती रहती हैं और जिस पर चर्चा घूम फिर कर वहीं आ जाती है– उसकी वजह मुख्यतः इस तथ्य पर है कि शांतिपूर्ण चुनाव के सात महीने बाद भी जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया गया। अब जब राज्यवासी भी देश के बाकी हिस्सों के साथ शोक मना रहे हैं, कश्मीरी लोग पाकिस्तानियों से कह रहे हैं कि न सिर्फ़ वे अपने काम से मतलब रखें, बल्कि उनसे दूर रहें और अकेला छोड़ दें। पाकिस्तान के भीतर की प्रतिक्रिया पर भी ध्यान दें। उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार को भारत के इस आरोप का बचाव करने के लिए विदेशी मीडिया के सामने उतारा गया कि नरसंहार करने वाले आतंकवादी पाकिस्तानी हैं। आरोप नकारने को उन्होंने यह कहकर समाप्त किया कि असली मुद्दा यह है कि 'कश्मीर प्रश्न' एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा है और इसे 1949 के संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के अनुसार हल किया जाना चाहिए। शायद डार ने यह गौर नहीं किया कि इस सप्ताह की शुरुआत में पहलगाम नरसंहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और रोष मार्चों में भाग लेकर कश्मीरियों ने उनके लिए इस प्रश्न को हल कर दिया है, जो 'मेरे नाम पर नहीं' से शुरू हुआ और समाप्त हुआ। पाकिस्तानी मीडिया भी यही खबरें दे रहा है कि यह एक घरेलू नाकामी छिपाने का 'छद्म अभियान' है, अर्थात् केंद्र सरकार की घरेलू समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए भारतीय एजेंसियों ने खुद ऐसा किया। तब तो कोई भी हैरान हो सकता है कि अगर अजमल कसाब जिंदा पकड़ा नहीं गया होता, तो मुंबई हमले का जिम्मेवार कौन होता। वैसे भी, इस कांड के दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए पाकिस्तान में कोई कदम नहीं उठाया गया है। 17 साल गुजर चुके हैं, लेकिन इसके मास्टरमाइंड आज भी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। फिर भी, इस बड़े खेल का एक नया अध्याय पहले से ही शुरू हो चुका है। जहां भारत और अमेरिका एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं, वहीं गौरतलब है कि चीन ने अभी तक पहलगाम हमले की निंदा नहीं की है, सिवाय भारत में चीनी राजदूत के एक ट्वीट के। स्पष्ट रूप से, चीन दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इस मुद्दे पर सघन वार्ता पर नज़र रखे हुए होगा।

आप का नजरीया

पुलिसकर्मी की भूमिका का नूर

पुलिस महकमे से पुलिस कर्मी के आंगन तक सुधार की गुंजाइश का एक नजरिया, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश से निकला है। माननीय अदालत ने पुलिस पहरे की शिनाख्त में श्रम की आरजू और श्रम की सीमा को रेखांकित किया है। कठिन ड्यूटी के मुकाम पर तैनात सिपाही के मानसिक तनाव, सतर्क निगहबानी का हिसाब और हर पल जवाबदेही का खिंचाव जिस समय से गुजरता है, उसके वक्त का कानूनी मानदंड तय हुआ है। न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और सुशील कुकरेजा की खंडपीठ ने सरकार को पुलिस कर्मियों की सेवा शर्तों में सुधार लाने का आदेश ही नहीं दिया, बल्कि यह सुनिश्चित करने को कहा कि इनकी सेवाओं के बदले पैंतालीस दिन का अतिरिक्त वेतन मिले, आवास परियोजनाओं को गति मिले तथा पूरे करियर में कम से कम तीन पदोन्नतियां हर सूरत मिलें। अदालती आदेश से मानवीय पहलू रोशन होते हैं और जो सुधारों की पैरवी में एक नया अभियान खड़ा करते हैं। अदालत भीड़ में पुलिस वाले को देख रही है, वह ट्रैफिक नियंत्रण की स्थिति में उसे निहारते हुए यह देखती है कि किस तरह प्रदूषण के बीच उसकी जिम्मेदारी के हाथ, अपने ही फेफड़ों में जहरीली गैसों का उत्सर्जन भर रहे हैं। कानून-व्यवस्था के रखवालों को कानून की शरण लेनी पड़ी, तो अदालत ने उनके हर तनाव और दबाव को बारीकी से देखा। इस तरह पुलिस प्रशासन के तहत पुलिस कर्मी के जीवन से जुड़े हर पहलू को ड्यूटी और फर्ज से संलग्न होने में मदद मिलेगी। यानी कल का पुलिस थाना, आज से भिन्न कैसे होगा और उसके भीतर सकारात्मकता के लिहाज से कौन से कदम प्रभावशाली होंगे। विधि व्यवस्था के लिए सबसे पहले हर नागरिक का बचाव और विश्वास पुलिस यूनिफार्म पर आता है। कहना न होगा के प्रदेश के किसी भी संकट के समय, राहत की तलब तब पूरी होती है जब सामने पुलिस व्यवस्था के तहत सतर्कता और बचाव की तैयारी गूंजती है। अंततः हमारी सुरक्षा के सारे हाथ उसके हैं, जो कभी ट्रैफिक को चला रहा या कभी अपराध की तफतीश में जान लड़ा रहा है। उसके कत्र्तव्य क्षेत्र के फलक पर लोगों की चिंताएं, कानून की हिफाजत और व्यवस्था की छवि घूम रही है। अदालत के फैसले ने पुलिस महकमें का आत्मबल और उसकी भूमिका का नूर बढ़ाया है। कोई सिपाही न आर्डर को मना कर सकता और न ही ड्यूटी को फाइल बना कर पटक सकता है। होते होंगे बहुत सारे ऐसे विभाग जहां फाइलें घूंघट में काम करती हैं, लेकिन सिपाही हर ड्यूटी में एक मोर्चा है- एक तत्परता है। यह दीगर है कि विभागीय तौर तरीकों में इस महकमे में भी कत्र्तव्य की कई छननियां और जवाबदेही आलोच्य हो जाती है, लेकिन जब सिपाही की इकाई में मूल्यांकन होता है, तो प्रतिकूलता के कई दौर उसके भीतर तक चोट करते हैं। कर्नाटक, इलाहाबाद और कोलकाता जैसे हाई कोर्ट समय-समय पर पुलिस सुधारों के मानकों पर सुझाव देते रहे हैं, लेकिन इस बार हिमाचल उच्च न्यायालय ने मानवीय संवेदना के कई पहलुओं पर एक पुलिस कर्मी को उसका वांछित हक दिलाया है।

गृह मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

लांग टर्म वीजा पर आए पाकिस्तानियों को देश छोड़कर जाने की जरूरत नहीं

3 दिनों में 362 पाकिस्तान नागरिकों के एलटीवी आवेदन स्वीकार

जोधपुर (हिंस)। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने भारत में निवासरत पाकिस्तानी नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी के अनुसार ऐसे पाकिस्तान नागरिक जो पाकिस्तान से भारत आकर वर्तमान में लॉग टर्म वीजा (एलटीवी) पर भारत में निवासरत है उनको देश छोड़ कर जाने की आवश्यकता नहीं है। 3 दिनों में 362 पाकिस्तान नागरिकों के एलटीवी आवेदन स्वीकार किए गए है। जोधपुर रेंज आईजी विकास कुमार ने कहा कि जो पाक नागरिक जोधपुर शहर में एलटीवी पर निवासरत है तथा उनकी एलटीवी की वैधता समाप्त हो चुकी है ऐसे पाक नागरिकों को अपनी एलटीवी एक्टेंशन करवानी आवश्यक है। जो विदेशी पंजीयन अधिकारी कार्यालय जोधपुर शहर में आकर करवा सकते है। ऐसे पाक नागरिक जिन्होंने एलटीवी के लिए आवेदन कर दिया है तथा जिनके प्रकरण विचाराधीन है। उनको पाकिस्तान डिपोर्ट नही किया जा रहा है। आईजी विकास कुमार ने कहा कि छह सौ किलोमीटर बॉर्डर है। जोकि तीन जिलों जैसलमेर, बाड़मेर और फ लोदी सेजुड़ा हुआ है। जैसलमेर बाड़मेर में उनके खुद के द्वारा निरीक्षण किया गया है। सीमांत गांवों का भ्रमण उनके द्वारा किया गया है। लोगों के साथ बैठकें एवं वार्ताएं की। उन्होंने आश्वस्त किया कि कहीं भी कोई चिंता की बात नहीं है। रेंज आईजी ने कहा कि लोगों में थोड़ा सा आक्रोश जरूर है। आतंकियों जो यह नापाक कदम उठाया गया है उसको लेकर लोगों में विषाद और आक्रोश है। एक गांव में जाने पर 80 साल के बुजुर्ग ने कहा कि इस बार यदि लड़ाई होगी तो हम जाएंगे। जब वे युवा थे 1971 में तब उन्हें बंदूक दी गई थी। बुजुर्ग में इस अवस्था में भी काफी जोश देखा। उन्होंने कहा कि मारवाड़ के लोगों में पूरा जोश है और किसी प्रकार की चिंता की बात नहीं हो सकती है। किसी प्रकार की आशंका, चिंता या तनाव नहीं है। पुलिस प्रशासन और क्षेत्रीय लोगों द्वारा आंकलन किया जा रहा है। सीमावर्ती लोगों से मिलने का उद्देश्य यह था कि उन्हें दो तीन चीजों से अवगत करा दिया जाएं। सतर्कता बढ़ाई जानी है, कहीं भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखाई दे तो उसकी जानकारी देवें। आईजीन चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं डालकर दो जाति धर्मों को लड़ाने अथवा वैमनस्य नहीं फैलाएं। इसकी कोशिश हो सकती है जिस पर भी ध्यान रखा जाएं। आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाकर रखना है। कुचेष्टा का सिरे से नकारना है। आईजी रेंज विकास कुमार ने बताया कि पुलिस और बार्डर बलों के साथ मिलकर चैकिंग अभियान चलाया गया है। बीएसएफ और पुलिस मिलकर चैकिंग अभियान चला रही है। बांग्लादेशियों के खिलाफ भी रविवार से अभियान शुरू किया गया है। संदिग्ध की जांच की जाएं। शार्ट टर्म वीजा पर आए पाकिस्तानी नागरिकों को वापिस भेजा गया है। क्षेत्र के लोगों का हौंसला पूरी तरह बुलंद है। उन्होंने बताया, विदेशी पंजीयन अधिकारी कार्यालय जोधपुर शहर द्वारा पाक नागरिकों के पंजीकरण एवं एलटीवी आवेदन प्राप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया है ताकि सभी पाक नागरिकों के आवेदनों का शीघ्र निस्तारण किया जाकर उनको राहत प्रदान की जा सके। विगत 3 दिनों में 362 पाकिस्तान नागरिकों के एलटीवी आवेदन स्वीकार किए जाकर उनका पंजीकरण किया जा चुका है तथा यह प्रकिया निरन्तर जारी है।

राष्ट्र विरोधी रील बनाकर इंस्टाग्राम आईडी पर डाली, केस दर्ज

जोधपुर (हिंस)। पहलगाम आंतकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी तत्वों द्वारा अनर्गल संदेशें भेजे और अपलोड किए जा रहे है। राज्य सरकार के आदेश के बाद पुलिस मुख्यालय ने सोशल मीडिया पर पूरी तरह नजर रखने को कहा है। ताकि लोगों की भावनाएं आहत नहीं हो। शहर में एक युवक ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर हिंदुस्थान कैप्चर नाम से रील बनाकर अपलोड कर दिया। मगर आम लोगों की नजर से वह बच नहीं पाया। इसकी शिकायत एवं रिपोर्ट खांडा फलसा थाने में दर्ज होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी बलवंतराम ने बताया कि मोचियों की घाटी आडा बाजार निवासी हरिश पुत्र चौथमल ने मामला दर्ज करवाया। इसमें बताया कि दर्जियों का चौक पिंजारा की गली निवासी जाहिद अहमद पुत्र जाकिर अहमद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम आईडी पर एक रील अपलोड की जिसमे बताया कि पाकिस्तान की फौज जल्द ही हिंदुस्थान को कैप्चर करने आ रही है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ बीएनस व आईटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया। उसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है।

सीमावर्ती गांव से बीएसएफ ने बरामद किए हथियार व ड्रोन, दो

चंडीगढ़ (हिंस)। सीमा पार से होने वाली हथियार व नशे की तस्करी को विफल करते हुए बीएसएफ तथा पंजाब पुलिस ने तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने दो पिस्तौल व पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। बीएसएफ ने सोमवार को बताया कि एक खुफिया सूचना पर बीएसएफ तथा पंजाब पुलिस ने अमृतसर के बच्चीविंड और कक्कड़ गांवों के पास कार्रवाई की है। बीएसएफ और पुलिस ने यहां से तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इन दोनों के पास से दो पिस्तौल, दो मैगजीन और एक बाइक बरामद की। इससे पहले बीएसएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में तरनतारन जिले से डीजेआई एयर 3 एस ड्रोन बरामद किया गया था। बीएसएफ के अनुसार ये सफल अभियान देश की सुरक्षा और सीमा पर अवैध ड्रोन गतिविधियों को बेअसर करने के लिए बीएसएफ की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

फर्जी रजिस्ट्री विवाद में छह कर्मचारियों का तबादला

पानीपत (हिंस)। पानीपत तहसील में फर्जी रजिस्ट्री का मामला उजागर होने के बाद जिला उपायुक्त वीरेंद्र कुमार दहिया ने कड़े कदम उठाते हुए तहसील के कंप्यूटर ऑपरेटर सहित छह कर्मचारियों को पुरानी सीटों से हटाकर नया काम सौंप दिया है। इन छह कर्मचारियों की बदली दूसरी ब्रांचों में कर दी है, जिनकी फर्जी रजिस्ट्री मामले में संदिग्ध भूमिका थी। सोमवार को सिटी थाना के कार्यकारी प्रभारी सब इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार ने बताया कि मामले की जांच जारी है। सभी तथ्य जुटाए जा रहे हैं। वहीं, तहसीलदार वीरेंद्र गिल ने कहा कि शिकायत का न ही फॉलोअप मिला है और न ही एफआईआर दर्ज की गई है, हम इंतजार में है। मामला पानीपत के न्यू रमेश नगर का है। जहां मोना नाम की महिला की जगह कॉलोनी की रहने वाली महिला पिंकी को तहसील में खड़ा करके फर्जी रजिस्ट्री करवा दी गई थी। महिला को लालच दिया गया और मोना की जगह खड़ा कर रजिस्ट्री पर पिंकी को मोना बनाकर फोटो खिंचवा दी गई। मामले का खुलासा होने पर शिनाख्त करने वाले नंबरदार राजू ने ही फर्जी महिला पिंकी के खिलाफ तहसीलदार को शिकायत दी। तहसीलदार ने मामले की शिकायत थाना सिटी को दी है, जिसकी जांच जारी है। नंबरदार राजू ने बताया को उसके द्वारा महिला की शिनाख्त भी नहीं कराई गई थी, वहीं दूसरी ओर तहसील कंप्यूटर ऑपरेटर ने भी हरी झंडी दिखाते हुए फर्जी महिला का फोटो खिंचा और रजिस्ट्री कर डाली। ऑपरेटर विक्रम रोड ने भी महिला के डॉक्यूमेंट तक चेक नहीं किए थे।

कांग्रेस ने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया और कुर्बानियां दीं : खड़गे

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहलगाम में आतंकी हमले पर कहा कि देश सबसे पहले है, उसके बाद संगठन और पार्टी। कांग्रेस ने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया और कुर्बानियां भी दीं। संविधान ने इस देश में चाय बेचने वाले को प्रधानमंत्री और एक दलित के बेटे को पार्टी अध्यक्ष बनने का अवसर दिया है। अगर संविधान बचा रहा तो ही लोकतंत्र बचेगा। वह जयपुर के रामलीला मैदान में सोमवार को कांग्रेस पार्टी की *लोकतंत्र बचाओ रैली* को संबोधित कर रहे थे। रैली की शुरुआत पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इस दौरान शहीदों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की अगुआई में आयोजित रैली में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीदों को नमन करता हूं। कश्मीर हमारा अभिन्न अंग है और देशभर के लोग वहां घूमने जाते हैं। हाल

ही में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सभी दलों के नेता शामिल हुए, लेकिन स्वयं प्रधानमंत्री नहीं आए। प्रधानमंत्री बिहार में चुनावी भाषण देने चले जाते हैं, जबकि राहुल गांधी अमेरिकी दौरे को रद्द कर जम्मू-कश्मीर जाने के निर्णय लेते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आज देश में ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियां दबाव में हैं। जब संवैधानिक संस्थाएं स्वतंत्र नहीं रहेंगी तो लोकतंत्र कैसे बचेगा? उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की सराहना करते हुए कहा कि वे जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने का बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। सचिन पायलट ने भी आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जब मुंबई हमला हुआ था, तब कांग्रेस ने अटल बिहारी वाजपेयी सरकार का समर्थन किया था। आज भी राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी सरकार के साथ खड़ी है। पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जाना चाहिए। पायलट ने चेताया कि पाकिस्तान भारत में धर्म और जाति के नाम पर नफरत फैलाना चाहता है, इसलिए देशवासियों को सतर्क रहना होगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री पद का चयन दिल्ली से आई एक *पर्ची* से किया गया, जिससे प्रदेश का बेड़ा गर्क कर दिया गया। जयपुर से कांग्रेस ने लोकतंत्र बचाओ रैली के जरिए पार्टी ने देशभर में अपने जनसंघर्ष अभियान का शंखनाद कर दिया है।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर गलत टिप्पणी करने वाले गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पुलिस लगातार सोशल मीडिया पर पहली नजर बनाए हुए हैं। हमले को लेकर सोशल मीडिया पर गलत टिप्पणी करने पर अब तक तीन जनों को गिरफ्तार किया है। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मध्यनजर पुलिस की साइबर व डीसीआरबी टीम द्वारा सोशल मीडिया हैंडल पर कड़ी निगरानी रखी जाकर किसी भी प्रकार की अफवाह, धार्मिक, भड़काऊ तथा गलत पोस्ट करने वालो पर पैनी नजर रखी जा रही है। आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर गलत व भड़काऊ टिप्पणी करने पर पुलिस द्वारा तुरन्त कार्रवाई करते हुए अब तक तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि पहलगाम आतंकी हमले के संबंध में सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की गलत व आपत्ति जनक पोस्ट नहीं करे। आपसी भाईचारा व सोहार्द बनाये रखे। पुलिस की साईबर व डीसीआरबी टीम द्वारा सोशल मीडिया हैंडल पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की अफवाह, धार्मिक व भडकाउ तथा गलत पोस्ट करने वालो के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर का पोस्ट पाकिस्तान में देखा गया, कारण बताओ नोटिस जारी

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी स्थित लखनऊ विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. माद्री काकोटी उर्फ डॉ. मेडुसा के एक्स पर किए गए एक पोस्ट की चर्चा जोर शोर से हो रही है। पोस्ट वीडियो को पाकिस्तान में देखा जा रहा है, वहीं पीटीआई प्रोमो ने वीडियो को साझा किया है। इस वीडियो में डॉ. मेडुसा ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को घेरने का प्रयास किया है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद डॉ. काकोटी ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि धर्म पूछकर गोली मारना आतंकवाद है तो धर्म पूछकर लिंच करना, नौकरी से निकालना, घर न देना, या घर पर बुलडोजर चलाना भी आतंकवाद है। असली आतंकी को पहचानो। वहीं इस पोस्ट की चर्चा का बाजार पाकिस्तान में गरम होने के कारण पोस्ट को देशद्रोही माना जा रहा है। लखनऊ

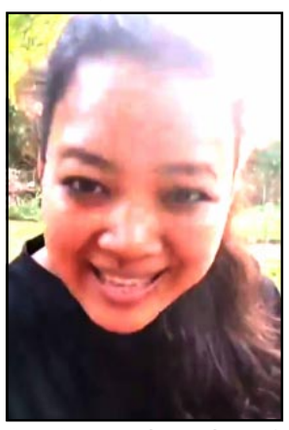

विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाली असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. माद्री काकोटी से बड़ी संख्या में छात्र -छात्राएं भी नाराज हैं। छात्र -छात्राओं का कहना है कि असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. माद्री वैसे तो अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आलोचनात्मक शैली में लिखती हैं लेकिन इस बार तो उन्होंने हद ही पार कर दी है। असम की मूल निवासी डॉ. माद्री को देश भावना से अपने पोस्ट करने चाहिए। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव विद्या नंद त्रिपाठी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. माद्री काकोटी की विवादित पोस्ट पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कुलसचिव ने नोटिस जारी करते हुए कहा कि पांच कार्य दिवस के भीतर उक्त कृत्य पर अपने पक्ष में साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण देना है। अन्यथा अनुशासनिक कार्रवाई आरम्भ कर दी जाएगी। कुलसचिव ने पत्रकारों को बताया कि असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. माद्री काकोटी उर्फ डॉ मेडुसा की पोस्ट के बाद लिखित में और फोन पर कई शिकायतें आई हैं। इससे लखनऊ विश्वविद्यालय की छवि धूमिल हुई है। समूचे घटनाक्रम की कुलसचिव कार्यालय स्वयं भी जांच करा रहा है।

विपक्ष लगातार झूठ और भ्रम फैलाने की कर रहा है राजनीति : धर्मपाल सिंह

प्रतापगढ़ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने सोमवार को प्रतापगढ़ में अनुसूचित जाति संवाद कार्यक्रम में कहा कि विपक्ष लगातार झूठ और भ्रम फैलाने की राजनीति कर रहा है। जाति व वर्ग के नाम पर समाज में वैमनस्यता फैला रहा है। हमें लोगों के बीच में जाकर विपक्ष के द्वारा फैलाए जा रहे झूठ और भ्रम को समाप्त करना है तथा सभी को भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा से जोड़ना है। भाजपा महामंत्री ने कहा कि पार्टी के प्रत्येक पूर्व पदाधिकारी को संगठन के कार्यो से जोड़ना है तथा संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता की संगठनात्मक कार्यों में भूमिका सुनिश्चित करते हुए कार्ययोजना तैयार करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा के अनुशासित व परिश्रमी कार्यकर्ताओं के बल पर भाजपा का परचम पूरे देश में फहरा रहा है। धर्मपाल सिंह प्रतापगढ़ के जिला कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों से संवाद कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी के पूर्व, निवर्तमान तथा वर्तमान मंडल अध्यक्षों की बैठक को भी संबोधित किया और जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल

सिंह प्रदेश में लगातार उन विधानसभाओं के मंडल अध्यक्षों व शक्तिकेन्द्र संयोजकों के साथ बैठक कर रहे है जहां पिछले चुनाव में भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की केंद्र सरकार में अनुसूचित जाति के मंत्रियों की संख्या ऐतिहासिक रूप से बड़ी है। भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में भी अनुसूचित जाति का प्रतिनिधित्व प्रमुखता से निर्धारित है। भाजपा सरकार आरक्षण सहित अनुसूचित जाति वर्ग के अधिकारों के पक्ष में मजबूती के साथ है। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की स्मृति से जुड़े स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने बाबा साहेब के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए सच्चे अर्थो में श्रद्धांजलि अर्पित की है और बाबा साहेब के स्पप्न का भारत बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के रहते अनुसूचित जाति का आरक्षण लागू नही था। मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त होने के साथ ही अनुसूचित जाति को उनका अधिकार मिला है। अब तक जम्मू कश्मीर में एससी वर्ग को आरक्षण न मिलने की गुनहगार कांग्रेस है। धर्मपाल सिंह ने कहा कि कांग्रेस व सपा ने हमेशा अनुसूचित जाति को ठगने का और छलने का काम किया। डॉ भीमराव अम्बेडकर का विरोध करने वाली कांग्रेस और उनका अपमान करने वाली सपा का सच लेकर हमें अनुसूचित जाति वर्ग के बीच पहुंचकर चर्चा करना है। मुस्लिम तुष्टीकरण वाली सपा व कांग्रेस के शासन में मां, बहन, बेटियां असुरक्षित थी। गुंडों, शौहदों, माफियाओं को सपा सरकार में सरकारी संरक्षण प्राप्त था। आज बदले हुए परिवेश में भाजपा सरकार ने सबका सम्मान सुनिश्चित किया है। मां, बहन, बेटियों की सुरक्षा की गारंटी, भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से आर्थिक व सामाजिक सम्पन्नता के साथ आगे बढ़ते अनुसूचित वर्ग, विकसित भारत के संकल्प से सबके विकास की आधारशिला से आर्थिक व सामरिक रूप से मजबूत भारत प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। विपक्ष के पास कोई ऐंजेंडा नही है, विकास का विजन नही है। इसलिए वह झूठ के ऐंजेंडे पर बढ़ते हुए सिर्फ अफवाहों और झूठ को फैलाने का काम कर रहे है। लेकिन भाजपा के कार्यकर्ता विपक्ष के हर षड्यंत्र को विफल करते हुए 2027 में प्रदेश में तीसरी बार भाजपा सरकार बनायेंगे।

अवैध अतिक्रमणों के खिलाफ गरजा नगर निगम का बुलडोजर, ध्वस्त किए गए 35 पक्के निर्माण

कानपुर (हिंस)। शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का अभियान जारी है। सोमवार को महापौर प्रमिला पांडेय की अगुवाई में सीसामऊ नालों के ऊपर किए गए अस्थाई व स्थाई अतिक्रमण को हटाते हुए बजरिया थाना से बकरमंडी ढाल से बजरिया चौराहा तक अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत 35 पक्के निर्माणों को ध्वस्त किया गया। साथ ही अतिक्रमणकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा गया कि दोबारा कब्जा करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। करीब 15 दिन पहले नगर निगम की ओर से अवैध अतिक्रमणकारियों को हिदायत देने के बाद अब नगर निगम दस्ता में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंचा। इस अभियान के दौरान नगर निगम टीम के साथ भारी संख्या में पुलिस बल और बुलडोजर मौजूद रहा। हालांकि नगर निगम टीम को देखकर अतिक्रमणकारियों ने घरों का सामान निकालना शुरू कर दिया। तो वहीं कुछ लोगों ने इस कार्रवाई का विरोध करना चाहा लेकिन उन्हें खदेड़ा गया। अतिक्रमण अभियान के तहत लगभग 35 पक्के निर्माण, 15 टीन शेड, 29 गुमटी, आठ पक्के टट्टर, 30 टट्टर, 15 तिरपाल, पांच बिरयानी की दुकानें तथा 80 बैनर, 600 झंडे, आठ होर्डिंग, 350 कट आउट के साथ ही 20 मेज/कुर्सी तथा अन्य सामान को भी जब्त किया गया। फुटपाथ एवं नालों के ऊपर किए गए स्थाई/अस्थाई कब्जे को ध्वस्त किया गया।

परंपरागत खेती के साथ औद्यानिक खेती को बढ़ावा दें : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (हिंस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने औद्यानिक खेती करने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रगतिशील किसानों एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों को सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी में सम्मानित किया। केशव प्रसाद मौर्य ने गोष्ठी में किसानों का आह्वान किया कि वह परंपरागत खेती के साथ अधिक से अधिक औद्यानिक खेती को बढ़ावा दें। प्रगतिशील किसान अपने आस-पास के किसानों को फल-फूल, औषधियों व सब्जियों की खेती करने व बागवानी के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए उनके विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। विकसित भारत की नींव को मजबूत करने में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार में हर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रफल पर औद्यानिक खेती होगी, तो प्रदेश, देश मे सबसे अधिक सम्पन्न प्रदेश होगा। आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री के विजन को मूर्तरूप देने

के लिए खेती की आधुनिक व वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समृद्ध व शक्तिशाली बनाने के लिए फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में स्वयं सहायता की महिलाओं को जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म, खाद्य, उद्योग, उन्नयन योजना में प्रदेश के हर जिले में एक हजार यूनिट स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार और कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश को बागवानी क्षेत्र में देश का प्रमुख राज्य बनाते हुए, प्रगति के पथ पर निरंतर बढ़ते उद्यान विभाग ने अपने स्वर्णिम 50 वर्ष पूर्ण किए। जिसने लाखों किसानों को समृद्धि का नया सूरज दिखाया और पोषण सुरक्षा का मजबूत आधार भी दिलाया। उद्यान विभाग द्वारा प्रदेश में फल, शाकभाजी, आलू, मसाला, पुष्प, औषधीय एवं सगंध आदि औद्यानिक फसलों के विकास, फल सब्जी के संरक्षण एंव प्रसंस्करण विधियों के प्रचार के साथ साथ मौनपालन, खाद्य प्रसंस्करण, कुकरी, बेकरी, पान तथा मशरूम की खेती हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर नया कीर्तिमान रचा जा रहा है। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न औद्यानिक विकास योजनाओं पर विहंगम रूप से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण डॉ. विजय बहादुर द्विवेदी ने किया। औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी पर आधारित एक स्मारिका का विमोचन किया गया। इसके साथ लघु चलचित्र के माध्यम से उद्यान विभाग के 50 वर्षों की प्रगतिगाथा को दर्शाया गया। गोष्ठी में सेवानिवृत्त अधिकारियों में डॉ. आरके पाठक, डॉ. सुरजीत सिंह, डॉ. आरके तोमर, राजेश प्रसाद, डॉ. आरपी सिंह, हरिनाम वर्मा एवं संतराम सहित 50 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में अयोध्या, देवीपाटन एवं लखनऊ मण्डल के 50 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ मौन कैंडल मार्च

अररिया (हिंस)। ह्यूमन एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी की ओर से सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ मौन कैंडल मार्च निकाला गया। संस्था के संस्थापक ग्यास नोमानी के नेतृत्व में मौन कैंडल मार्च का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवा और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। हमले में शहीद हुए 28 लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी ने गहरा शोक व्यक्त किया और देश की एकता एवं अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कैंडल मार्च में मुख्य रूप से मेराज हसन, आदिल खान, क्रांति कुंवर, ब्रजेश राय, मुख्तार सरपंच, ग्यास नोमानी, वसीम अकरम, मो. जाबुल, साहिल, रिजवान आलम, मो. शाहरुख, मो. इम्तियाज, जावेद अंसारी, जफरुद्दीन, मो सोहराब, मो. गुलजार, राजा अली, सिकंदर, और मो. वसीम समेत अनेक समाजसेवी और युवा शामिल रहे। मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष मेराज हसन ने कहा कि देश के वीर शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। आतंक के खिलाफ हमारा संघर्ष और मजबूत होगा। राजद नेता क्रांति कुंवर ने कहा कि यह केवल एक हमले के खिलाफ विरोध नहीं है, बल्कि हर उस ताकत के खिलाफ आवाज उठाना है जो हमारे देश की अखंडता और भाईचारे को तोड़ने की कोशिश कर रही है। शहीदों की शहादत हम सभी के लिए प्रेरणा है।

मोस्ट लग्जीरियस एक्सएल6 कार हो गई महंगी

नई दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया की मोस्ट लग्जीरियस एक्सएल6 कार अब महंगी हो गई है। कंपनी ने इस एमपीवी की कीमत में 12,500 रुपए का इजाफा किया है। नई कीमतें कंपनी ने तत्काल प्रभाव से लागू भी कर दी हैं। भारतीय बाजार में एक्सएल6 का सीधा मुकाबला किआ कैरेंस से होता है।

बता दें कि कंपनी ने ऑल न्यू एक्सएल6 की बुकिंग शुरू कर दी है। मारुति सुजुकी एक्सएल6 रेंज के सभी वैरिएंट की कीमत में 12,500 रुपए की समान बढ़ोतरी की गई है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत अब 11,83,500 रुपए से 14,99,500 रुपए हो चुकी हैं।

इस कार को कुल 10 कलर ऑप्शन में खरीद पाएंगे। इसमें 7 सिंगलटोन और 3 डुअलटोन कलर शामिल हैं। वहीं, सेकेंड रो में लेदरेट कैप्टन सीट दी है। मारुति एक्सएल6 में नेक्स्ट-जनरेशन 1.5-लीटर के15सी का डुअल जेट पेट्रोल इंजन मिलता है।

इसमें 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियर भी होंगे जो पैडलर शिफ्टर्स के साथ आते हैं। ये 114 बीएचपी की मैक्स पॉवर और 137 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। न्यू मारुति एक्सएल6 को जेटा, अल्फा, अल्फा प्लस वैरिएंट में खरीद सकते हैं।

वहीं, जेटा को सीएनजी में भी खरीदा जा सकता है। कंपनी ने कार में पहली बार वेंटिलेटेड सीट का ऑप्शन दिया है। देश में गर्मी और उमस का मौसम लंबे वक्त तक रहता है, वहीं देश के कुछ ही हिस्सों में थोड़े समय के लिए सर्दी का मौसम आता है, ऐसे में कार खरीदारों के बीच वेंटिलेटेड सीट के ऑप्शन की डिमांड बढ़ी है। वहीं एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले जैसे कार कनेक्ट फीचर्स भी दिए हैं।

वायरलैस चार्जिंग, स्मार्ट प्ले प्रो सिस्टम और सुज़ुकी कनेक्ट टेलिमैटिक्स भी इसमें मौजूद हैं। जहां तक सेफ्टी की बात है इसमें 4 एयरबैग स्टैंडर्ड और 6 एयरबैग प्रीमियम वर्जन शामिल हैं। एक्सएल6 में कंपनी मारुति की कई गाड़ियों के अलग-अलग प्रीमियम फीचर्स को शामिल किया है। जैसे इसमें एक 360 डिग्री कैमरा, 7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम होगा।

न्यूज ब्रीफ

अटारी-वाघा बॉर्डर बंद होने से व्यापार प्रभावित, ड्राई फ्रूट्स हुए महंगे

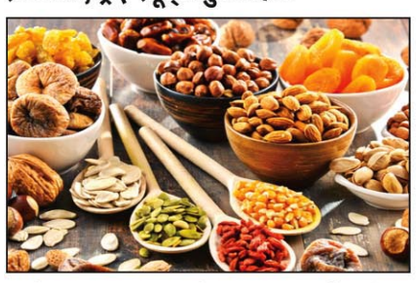

मुंबई। भारत-पाकिस्तान सीमा पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने अमृतसर के अटारी-वाघा बॉडर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। जिससे भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले ड्राई फ्रूट्स से संबंधित व्यापार प्रभावित हो रहा है। ड्राई फ्रूट्स का कारोबार खासकर प्रभावित हो रहा है, जहां अफगानिस्तान से आने वाली सप्लाई की रोक लगने के कारण उनकी आपूर्ति में अधिकतम गिरावट हो रही है। इस परिणामस्वरूप बाजार में ड्राई फ्रूट्स के दाम 10 से 15 फीसदी तक बढ़ गए हैं। यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में यह कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। अफगानिस्तान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, और दक्षिण अफ्रीका से आने वाली ड्राई फ्रूट्स की आपूर्ति की मुख्य मंडियों में हलचल मच गई है, जिसका सीधा कारण अटारी-वाघा बॉर्डर की बंदिश है। इसके परिणामस्वरूप ज्यादातर प्रमुख ड्राई फ्रूट्स जैसे अंजीर, हींग, पिस्ता, किशमिश, जीरा, और मुनक्का इस समस्या का शिकार हो रहे हैं। अफगानिस्तान से आने वाली सप्लाई की रोक लगने से आपूर्ति में गिरावट अंजीर के दाम 200 रुपए प्रति किलो, पिस्ता के दाम 400-500 रुपए प्रति किलो, और किशमिश और मुनक्का के दाम 100 रुपए प्रति किलो तक बढ़ चुके हैं। आने वाले समय में इनकी कीमतें और बढ़ने की संभावना है ।

नायडू ने भारत में विमानन रखरखाव, मरम्मत गतिविधियों को बढ़ाने का किया आह्वान

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को विदेशों में विमानों की रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) गतिविधियों को देश में ही बढ़ाने के प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने एमआरओ क्षेत्र में नवाचार और बौद्धिक संपदा विकास की आवश्यकता पर बल दिया। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) की ओर से आयोजित एविएशन होराइजन 2025 सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। नायडू ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 भारतीय मरम्मत एवं रखरखाव इकाइयों की हिस्सेदारी केवल 14 फीसदी थी। इसको 2030 तक बढ़ाकर 50 फीसदी करना है। उन्होंने कहा कि भारतीय मरम्मत एवं रखरखाव क्षेत्र में केवल श्रम-प्रधान कार्यों के बजाय बौद्धिक संपदा व नवाचारों के सृजन के प्रयास किए जाने चाहिए। के राममोहन नायडू ने अपने संबोधन में देश में रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) गतिविधियों को बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है, जो बड़े पैमाने पर विदेशों में की जाती हैं।

भारत में एप्पल ऐप स्टोर ने 2024 में बिलिंग व बिक्री से कमाया मुनाफा

नई दिल्ली। भारत में एप्पल ऐप स्टोर परिवेश ने 2024 में डेवलपर बिलिंग और बिक्री से 44,447 करोड़ रुपये (5.31 अरब अमेरिकी डॉलर) अर्जित किए। कंपनी ने सोमवार को जारी एक नए अध्ययन में यह बात कही। भारतीय प्रबंधन संस्थान (अहमदाबाद) के एक प्रोफेसर द्वारा किए गए अध्ययन में सामने आया कि 4 प्रतिशत से अधिक राजस्व केवल डेवलपर और व्यवसायों से हासिल हुआ। इसमें एप्पल को कोई कमीशन नहीं दिया गया। अध्ययन के अनुसार पिछले पांच वर्षों में भारत स्थित डेवलपर की वैश्विक आय तीन गुना बढ़ी है, जो ऐप स्टोर द्वारा प्रदान किए जाने वाले जबरदस्त व्यावसायिक अवसर व वैश्विक पहुंच को उजागर करती है। ऐप्पल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि ऐप स्टोर भारत और दुनिया भर के डेवलपर के लिए एक आर्थिक चमत्कार रहा है और हम उनके काम का समर्थन करने को उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन भारत की अविश्वसनीय रूप से जीवंत ऐप अर्थव्यवस्था की शक्ति को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि हम सभी स्तर के डेवलपर की सफलता में निवेश जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि वे ऐसे ऐप बनाते हैं जो महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं और साथ ही लोगों के जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार खरीदारी होती रही। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.74 प्रतिशत उछल कर 5,525.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 216.90 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,382.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 168.98 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 39,944.52 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार लिवालों का जोर बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,415.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.44 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,536.26 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 177.94 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,242.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर मजबूती का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक तेजी के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,809.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 3,294.02 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 234.50 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,322.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 143.47 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 35,849.21 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की छलांग लगा कर 6,730.56 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 125.98 अंक यानी 0.63 प्रतिशत उछल कर 19,998.71 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,160.67 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,549.16 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,003.49 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.29 प्रति डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि और पूंजी प्रवाह जैसे मजबूत घरेलू बुनियादी कारकों के समर्थन से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.29 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार वृद्धि रुपये को स्थिरता प्रदान करती है। हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से रुपये पर दबाव पड़ सकता है क्योंकि इस तरह की भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं निवेशकों को सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर ले जाती हैं, जिससे उभरते बाजारों से निकासी होती है और रुपये जैसी स्थानीय मुद्राएं कमजोर होती हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.29 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती सौदों के बाद यह डॉलर के मुकाबले 85.42 के निचले स्तर पर आ गया। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.41 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.63 पर रहा।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल महंगा

नई दिल्ली

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय से स्थिर हैं, लेकिन घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव हो रहा है। सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार सुबह जारी तेल की खुदरा कीमतों में फिर बदलाव किया और यूपी, बिहार सहित देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें बदल गई हैं. हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के महानगरों में तेल की कीमतों में बदलाव नहीं किया गया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे महंगा होकर 94.98 रुपये लीटर बिक रहा है।

ब्रेंट क्रूड का भाव मामूली बढ़त के साथ 67.70 डॉलर प्रति बैरल

डीजल भी 30 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 26 पैसे गिरकर 94.39 रुपये और डीजल 30 पैसे टूटकर 87.45 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 22 पैसे बढ़त के साथ 105.58 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 20 पैसे महंगा होकर 92.94 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में खास बदलाव नहीं आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव मामूली बढ़त के साथ 67.70 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का रेट भी उछाल के साथ 63.21 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

रिगा में बाल्टिक मोटर शो

रिगा में बाल्टिक मोटर शो में लिगो ब्रिक्स से बनी वोल्वा कार का मॉडल पेश किया गया ।

चीन की हुआवेई ने बनाया नया शक्तिशाली एआई प्रोसेसर

हुआवेई अमेरिकी चिप दिग्गज एनविडिया से कर सकता है मुकाबला

नई दिल्ली

चीन की विश्वप्रसिद्ध कंपनी हुआवेई टेक्नोलॉजीज ने अपनी और सबसे शक्तिशाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रोसेसर का परीक्षण करने के लिए तैयारी में जुट गई है। इस नए एआई प्रोसेसर को एसेंड 910 डी नाम दिया गया है और इसकी तकनीकी व्यवहार्यता का परीक्षण मई के अंत तक हो सकता है। हुआवेई की तैयारी अमेरिकी चिप दिग्गज एनविडिया से टक्कर लेने और उसके प्रोडक्ट्स में बदलाव करने की है। चीन इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए जल्द ही कदम बढ़ाने का निर्णय लिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने साल 2022 में एनविडिया के एच 100 चिप की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन हुआवेई ने उसके विकास को नकारा और अपनी तकनीकी दक्षता दिखाकर अमेरिकी चुनौतियों का मुकाबला किया है। चीनी कंपनी के एसेंड एआई प्रोसेसर के विकास से चीनी चिप्स दुनियाभर में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन चिप्स का उपयोग अलग-अलग मोडल्स को ट्रेनिंग देने के लिए किया जा रहा है और इससे चीन की तकनीकी प्रगति में भी बढ़ोतरी हो सकती है। हुआवेई ने अपनी तकनीकी दक्षता के साथ दुनिया में सबसे तेज इंटरनेट भी लॉन्च किया है।

होम लोन पर 53,984 रुपए ईएमआई या 53,984 रुपए

मकान खरीदने के लिए कौन सा तरीका बेहतर

नई दिल्ली

मकान खरीदने वालों के लिए होम लोन लेने के बाद कई साल तक उसकी ईएमआई चुकाना टेढ़ी खीर होता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ईएमआई चुकाने से बेहतर है कि उतनी रकम का सिप खोला जाए और लोन के टेन्योर तक मकान खरीदने जितनी रकम तैयार की जा सकती है। म्यूचुअल फंड का सिप और होम लोन की ईएमआई, लगभग एक जैसी ही चीज लगती है। सिप में भी आप एक निश्चित रकम हर महीने निवेश करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे होम लोन लेने के बाद उसकी ईएमआई हर महीने चुकाई जाती है। अब अगर ईएमआई जितनी रकम को ही सिप में निवेश कर दिया जाए तो क्या लोन के टेन्योर जितने समय में ही होम लोन जितनी रकम तैयार की जा सकती है। मान लीजिए आपने 60 लाख रुपये का होम लोन 20 साल के लिए 9 फीसदी सालाना ब्याज दर पर लिया है। इस पर आपको हर महीने 53,984 रुपये की ईएमआई चुकानी पड़ेगी और पूरे टेन्योर में ब्याज के रूप में 69,56,053 रुपये चुकाएंगे, जबकि 60 लाख मूलधन मिलाकर यह रकम 1.30 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच जाएगी। इसका मतलब हुआ कि आपने मकान तो 70 लाख का ही खरीदा, लेकिन उसके लिए दोगुनी रकम चुकानी पड़ जाती है। अगर आप म्यूचुअल फंड के सिप में ईएमआई जितनी रकम 53,984 रुपये ही निवेश 20 साल के लिए शुरू किया जाए और इस पर सालाना 12 फीसदी का ब्याज मिलता है। इस दौरान 20 साल में आपका कुल निवेश 1,29,56,160 रुपये होगा, जिस पर ब्याज के रूप में 3,67,01,419 रुपये मिलेंगे और इस तरह मेच्योरिटी पर आपको कुल 4,96,57,579 रुपये की रकम मिल जाएगी।

अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर का प्रभाव अब चीनी कंपनियों तक, चीनी कंपनियों ने हजारों कर्मचारियों को भेजा घर

नई दिल्ली। अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर का प्रभाव अब चीनी कंपनियों तक पहुंच गया है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि चीन के बड़े एक्सपोर्ट फैक्ट्रियों पर ताले लगने लगे हैं और हजारों कर्मचारियों को घर भेजा जा चुका है। टैरिफ के दबाव में आकर खिलौने, खेल का सामान और सस्ते प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियों ने उत्पादन ठप कर दिया है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, अमेरिका को निर्यात करने वाले सेक्टर में काम कर रहे 1 से 2 करोड़ चीनी कर्मचारियों की नौकरियों पर अब गहरा संकट मंडरा रहा है। कंपनियां नए बाजारों की तलाश में भटक रही हैं, जिससे वैश्विक व्यापार समीकरणों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। चीन की कई कंपनियां अब अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहतीं। वे यूरोप, लैटिन अमेरिका और भारत जैसे बाजारों की तरफ रुख कर रही हैं। कुछ कंपनियां भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट खोलने पर भी विचार कर रही हैं।

लिवरपूल ने रचा इतिहास, टोटनहम को 5-1 से हराकर जीता 20वां प्रीमियर लीग खिताब

लिवरपूल

लिवरपूल ने रविवार को एनफील्ड में टोटनहम को 5-1 से करारी शिकस्त देकर प्रीमियर लीग खिताब अपने नाम किया और इंग्लिश टॉप-फ्लाइट फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड के 20 खिताबों की बराबरी कर ली।

आर्ने स्लॉट की टीम ने शुरुआती झटका खाने के बाद जबरदस्त वापसी की और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा।

60,000 से अधिक दर्शकों की गूंज के बीच मुकाबला शुरू हुआ। शुरुआती हमलों के बावजूद लिवरपूल को 12वें मिनट में झटका लगा, जब डोमिनिक सोलांके ने जेम्स मैडिसन के कॉर्नर से शानदार हेडर लगाकर टोटनहम को बढ़त दिला दी। लेकिन लिवरपूल ने महज चार मिनट बाद लुईस डियाज़ के गोल से बराबरी हासिल कर ली, जिसे वीएआर ने मंजूरी दी। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने 24वें मिनट में शानदार गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिला दी। फिर कोडी गाकपो ने तीसरा गोल दागकर टोटनहम की मुश्किलें बढ़ा दीं।

दूसरे हाफ में लिवरपूल का जलवा, सालाह का सेल्फी सेलिब्रेशन

दूसरे हाफ में भी लिवरपूल ने अपना दबदबा कायम रखा। टॉप स्कोरर मोहम्मद सालाह ने डोमिनिक सोबोस्लाई के पास पर शानदार गोल दागा और उसके बाद एक फैन का फोन लेकर कॉप एंड के सामने सेल्फी ली, जिससे स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ गई।

लगातार गूंजते नारों वी आर गोइंग टू विन द लीग और वी शैल नॉट बी मूव्ड ने माहौल को और खास बना दिया। 70वें मिनट में टोटनहम के डेस्टिनी उडोगी के आत्मघाती गोल ने लिवरपूल की बढ़त 5-1 कर दी और मुकाबला पूरी तरह एकतरफा हो गया।

फैन्स ने मुकाबले से पहले एनफील्ड के बाहर लिवरपूल 20 टाइम चैंपियंस के झंडे और स्कार्फ्स लहराए। कोविड के कारण 2020 में जश्न नहीं मना सके लिवरपूल फैन्स ने इस बार खिताबी जीत का भरपूर आनंद उठाया।

न्यूज ब्रीफ

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर: भारत मेजबान म्यांमार के साथ ग्रुप डी में

नई दिल्ली। एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप थाईलैंड 2026 की राह आसान होती जा रही है!

क्वालीफायर के लिए ड्रॉ की घोषणा कर दी गई है। यंग टाइग्रेस के नाम से जानी जाने वाली भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम को ग्रुप डी में रखा गया है। ग्रुप डी में भारत के साथ शामिल टीमें हैं-म्यांमार (मेजबान), इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान। क्वालीफायर 6-10 अगस्त, 2025 के बीच आयोजित किए जाने हैं। टीमों को चार-चार के सात समूहों और पांच के समूह में विभाजित किया गया है, क्वालीफायर 2-10 अगस्त तक खेले जाएंगे। टीमें अगले साल 1-18 अप्रैल तक थाईलैंड द्वारा आयोजित किए जाने वाले फ़ाइनल के लिए 11 टिकटों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। आठ ग्रुप विजेता और तीन सर्वश्रेष्ठ उपविजेता आगे बढ़ेंगे। एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप आठ टीमों का टूर्नामेंट है, जिसे 2026 संस्करण से 12 टीमों तक बढ़ा दिया गया है। ड्रा परिणाम- ग्रुप ए: डीपीआर कोरिया, नेपाल, भूटान (मेजबान), मंगोलिया, सऊदी अरब ग्रुप बी: वियतनाम (मेजबान), किर्गिज गणराज्य, हांगकांग, चीन, सिंगापुर, ग्रुप सी: ऑस्ट्रेलिया, चीनी ताइपे, फिलिस्तीन, ताजिकिस्तान (मेजबान) ग्रुप डी: म्यांमार (मेजबान), भारत, इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान ग्रुप ई: चीन पीआर (मेजबान), लेबनान, कंबोडिया, सीरिया ग्रुप एफ: जापान, आईआर ईरान, मलेशिया (मेजबान), गुआम ग्रुप जी: उज्बेकिस्तान (मेजबान), जॉर्डन, उत्तरी मारियाना द्वीप, बहरीन ग्रुप एच: कोरिया गणराज्य, बांग्लादेश, लाओस (मेजबान), तिमोर लेस्ते।

बांग्लादेश दौरे पर न्यूजीलैंड ए टीम की कमान संभालेंगे केली और कार्टर

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ए टीम के आगामी बांग्लादेश दौरे के लिए निक केली और जो कार्टर को कप्तान

नियुक्त किया गया है। इस दौरे में हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू करने वाले रीस मारिउ और मुहम्मद अब्बास भी टीम का हिस्सा होंगे। निक केली तीन एकदिवसीय मुकाबलों के दौरान टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि इसके बाद जो कार्टर चार दिवसीय दो मैचों के लिए नेतृत्व संभालेंगे। केली, मारिउ और अब्बास ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू किए थे। ऑलराउंडर मुहम्मद अब्बास ने विशेष रूप से डेब्यू पर केवल 24 गेंदों में सबसे तेज अर्धशतक जड़कर सभी का ध्यान आकर्षित किया था। वहीं, केली और मारिउ प्लंकेट शील्ड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। कार्टर ने 2022 में भारत दौरे के दौरान न्यूजीलैंड ए के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने उस दौरे पर 60.40 की औसत से रन बनाए थे और दो शतक भी जमाए थे, जिसमें उनका करियर बेस्ट 197 रन शामिल था। विकेटकीपर मिच हे भी इस टीम में शामिल हैं, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ हैमिल्टन में नाबाद 99 रनों की पारी खेली थी। उनके अलावा ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन को भी टीम में चुना गया है। गेंदबाजी आक्रमण में इंटरनेशनल अनुभव रखने वाले जैक फोल्क्स और बेन लिस्टर जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। लेग स्पिनर आदि अशोक, जो पाकिस्तान सीरीज में भी टीम का हिस्सा थे, एक बार फिर चयनित हुए हैं।

राजस्थान के लिए प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म, शेन बॉन्ड बोले- अब भी बहुत कुछ दांव पर

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राजस्थान रॉयल्स की हालत बेहद नाजुक हो गई है। नौ

में से केवल दो मैच जीतकर टीम अंकतालिका में नीचे से दूसरे स्थान पर है। हालांकि अब भी गणितीय तौर पर प्लेऑफ की उम्मीद बची है, लेकिन गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने माना कि इस सीजन में टीम के लिए आगे का रास्ता मुश्किल नजर आ रहा है। बावजूद इसके उन्होंने भरोसा दिलाया कि बचे हुए पांच लीग मैचों में टीम और खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। राजस्थान रॉयल्स ने हाल के कुछ मुकाबले बेहद करीबी अंतर से गंवाए हैं। शेन बॉन्ड ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, सबसे कठिन बात यह है कि हम लगभग 35 ओवरों तक मैच पर नियंत्रण में रहे, लेकिन आखिरी पलों में विपक्षी टीमें हमसे बेहतर साबित हुईं। अगर आप अंकतालिका देखें तो हम सोचते हैं कि हम कहां हो सकते थे, लेकिन अब कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, शायद अब हम टूर्नामेंट से बाहर हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ दांव पर है। टीम के लिए सीजन को मजबूती से खत्म करना और व्यक्तिगत तौर पर भविष्य के लिए खुद को साबित करना जरूरी है। इस सीजन में राजस्थान की मुश्किलें कई मोर्चों पर रही हैं। कप्तान संजू सैमसन चोट के कारण ज्यादातर समय टीम से बाहर रहे, जिसकी वजह से 22 वर्षीय रियान पराग को कप्तानी संभालनी पड़ी और 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग करनी पड़ी।

खालसा कॉलेज ने जीता बाबा दीप सिंह पुरुष हॉकी खिताब, महिला वर्ग में दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना का दबदबा

नई दिल्ली

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने सोमवार को पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग का खिताब जीत लिया है। रोमांचक फाइनल में खालसा कॉलेज ने श्याम लाल कॉलेज को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराया। वहीं, महिला वर्ग में दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज को 4-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मैच में निर्धारित समय तक श्याम लाल कॉलेज और खालसा कॉलेज के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर रहा। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में खालसा कॉलेज ने 3-2 से जीत हासिल की। खालसा कॉलेज के मोहित, पवन और अंकित ने गोल किए, जबकि श्याम लाल कॉलेज से जितेश और नवीन ने गोल किए।

इस शानदार प्रदर्शन के लिए खालसा कॉलेज के खिलाड़ी दानिश अंसारी को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया। वहीं, खालसा कॉलेज के ऋषभ को बेस्ट गोलकीपर, हर्ष तेवतिया को बेस्ट फुल बैक, और अंकित को बेस्ट मिडफील्डर का अवार्ड मिला। श्याम लाल कॉलेज के प्रियांशु को मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवार्ड दिया गया।

महिला वर्ग में दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना का दबदबा

महिला वर्ग में दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज को 4-3 से हराकर खिताब जीता। दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना की तरफ से विधि कोली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जबकि सोनिका और सोनाली ने एक-एक गोल किया। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट से पिंकी, सोमवती और कंचन ने एक-एक गोल किया। दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना की विधि कोली को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया।

विजेता टीम की शीतल शर्मा को बेस्ट गोलकीपर, मनिता को बेस्ट डिफेंडर, और सोनाली को बेस्ट मिडफील्डर का अवार्ड मिला। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट की सोमवती को बेस्ट फॉरवर्ड और कंचन को मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवार्ड मिला। यह पुरस्कार वितरण समारोह मुख्य अतिथि रणजीत गिल (डायरेक्टर हॉकी इंडिया) भारतीय हॉकी खिलाड़ी हरजीत सिंह, गौतम वढेरा (ज्वाइंट सेक्रेटरी पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड) और एसजीटीबी खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह और डायरेक्टर, फ़िज़िकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स इंदरप्रीत कौर नंदा के हाथों हुआ।

आईपीएल 2025: विराट कोहली ने हासिल की ऑरेंज कैप, सूर्याकुमार यादव को पछाड़

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रविवार को खेले गए डबल हेडर मुकाबलों के बाद ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस में बड़ा उलटफेर देखने को मिला।

रविवार को ऑरेंज कैप दो बार बदली। पहले मुंबई इंडियंस के सूर्याकुमार यादव ने गुजरात टाइटंस के बी साई सुधर्शन को पछाड़ा। सूर्या ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 28 गेंदों में 54 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर 417 रन बनाने वाले साई सुदर्शन को पीछे छोड़ते हुए 427 रन तक पहुंच गए थे।

हालांकि, दिन का दूसरा मुकाबला आते-आते सूर्या की खुशी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए विराट कोहली ने 47 गेंदों पर 51 रन बनाए और कुल 443 रन के साथ ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। अब साई सुदर्शन के पास सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन कर टॉप पर लौटने का मौका रहेगा।

टॉप-5 बल्लेबाज

- विराट कोहली - 443 रन
- सूर्याकुमार यादव - 427 रन
- बी साई सुदर्शन - 417 रन
- निकोलस पूरन- 404 रन
- मिशेल मार्श - 378 रन

पर्पल कैप की रेस में जोश हेजलवुड सबसे आगे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जोश हेजलवुड अब पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 36 रन देकर दो विकेट लेने के बाद उनके दस मैचों में कुल 18 विकेट हो गए हैं।

टॉप-5 गेंदबाज

- जोश हेजलवुड (आरसीबी) - 18 विकेट
- प्रसिद्ध कृष्णा (जीटी) - 16 विकेट
- नूर अहमद (सीएसके) - 14 विकेट
- ट्रेंट बोल्ट (एमआई) - 13 विकेट
- क्रुणाल पांड्या (आरसीबी)
- हर्षल पटेल (एसआरएच) - 13-13 विकेट।

मैड्रिड ओपन टेनिस में खेलते हुए एलेकजेंडर ज्वेरोव

जर्मनी में जर्मनी के एलेकजेंडर ज्वेरोव मैड्रिड ओपन टेनिस में खेलते हुए।

लंदन मैराथन ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड, 56,000 से अधिक धावकों ने पूरा किया मुकाबला

नई दिल्ली

रविवार को आयोजित हुए लंदन मैराथन में इस साल फिनिशर की संख्या में नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है, जो पिछले साल के न्यूयॉर्क सिटी मैराथन के 55,646 फिनिशर्स के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, आयोजकों ने अंतिम आंकड़ा जारी नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि रविवार 6:35 बजे (1735 जरूज) तक नए रिकॉर्ड की पुष्टि हो गई थी, जबकि धावक अभी भी फिनिश लाइन को पार कर रहे थे।

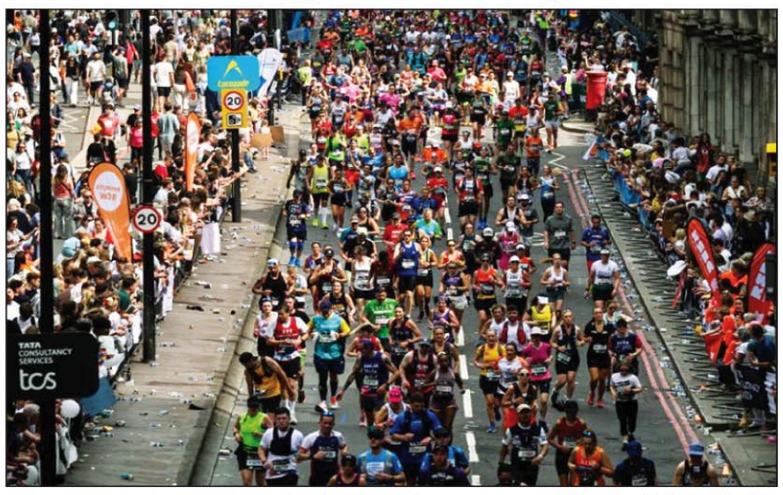

कन्या के सबास्टियन सावे ने पुरुषों की एलाइट रेस में जीत हासिल की, जबकि इथियोपिया की टिग्स्ट असेफा ने महिलाओं के लिए केवल महिला रेस में नया विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। लंदन मैराथन इवेंट्स के सीईओ ह्यू ब्रैशर ने रविवार को एक बयान में कहा, टीसीएस लंदन मैराथन अब दुनिया की सबसे बड़ी और महानतम मैराथन बन गई है, और यह अब आधिकारिक रूप से दुनिया की सबसे बड़ी मैराथन है। बता दें कि 42.195 किलोमीटर की दौड़, जो ग्रीनविच पार्क से शुरू होकर रिवर थेम्स के किनारे से होते हुए द मैल पर खत्म होती है, में रिकॉर्ड 56,000 धावकों के भाग लेने की उम्मीद जताई गई थी।

बुंदेसलीगा : हैरी केन निर्णायक मुकाबले से बाहर, लेकिन जल्द मना सकते हैं जीत का जश्न

बर्लिन

इंग्लैंड के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन जहां भी खेलते हैं, गोल करने के रिकॉर्ड तोड़ते नजर आते हैं। इंग्लैंड राष्ट्रीय टीम हो, टोटेनहम हॉटस्पर या फिर अब बायर्न म्यूनिख —31 वर्षीय केन ने खुद को एक अजेय गोल मशीन के रूप में स्थापित किया है।

हालांकि, उनके करियर पर एक दुखद साया भी है, 16 साल और 500 से ज्यादा पेशेवर मुकाबले खेलने के बावजूद, अब तक वह कोई बड़ा खिताब जीतने में असफल रहे हैं।

खिताब जीतने के लक्ष्य से जुड़े बायर्न म्यूनिख

इस कभी न जीतने वाले खिलाड़ी की छवि से बाहर निकलने के लिए केन ने पिछले साल जर्मन चैंपियन बायर्न म्यूनिख का दामन थामा था।

हालांकि बायर्न इस सीजन में चैंपियंस लीग और जर्मन कप से बाहर हो चुका है, लेकिन

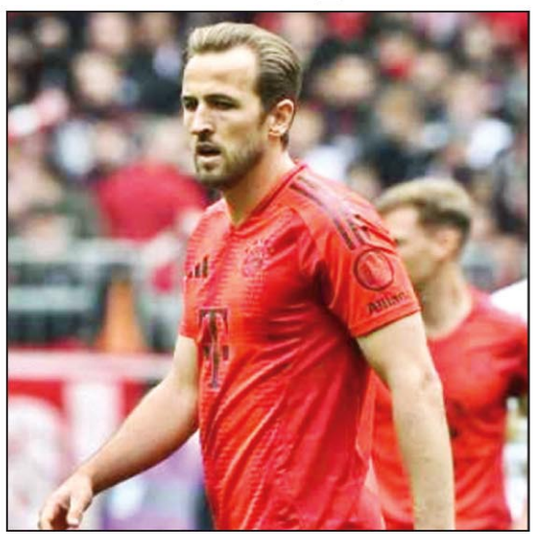

बुंदेसलीगा खिताब और 2025 फीफा क्लब वर्ल्ड कप उनके सामने उपलब्ध विकल्प हैं।

बायर्न फिलहाल लीग में तीन मुकाबले बाकी रहते हुए आठ अंकों की मजबूत बढ़त बनाए हुए है, जिससे उनका चैंपियन बनना लगभग तय माना जा रहा है।

निलंबन से लगा झटका

बायर्न की माइन्ज पर 3-0 की जीत के दौरान केन को पहले हाफ में गेंद रोकने के लिए पीला कार्ड दिखाया गया, जो इस सीजन का उनका पांचवां कार्ड था।

बुंदेसलीगा के नियमों के अनुसार, अब केन एक मुकाबले के लिए सस्पेंड हो गए हैं और वे आरबी लीपज़िग के खिलाफ अहम मुकाबला नहीं खेल पाएंगे।

केन ने सिन्हुआ के हवाले से कहा, यह शायद मेरी कहानी का हिस्सा होगा कि मैं लीपज़िग का मुकाबला मिस करूंगा। लेकिन अगर हम खिताब जीतते हैं, तो मैं सबसे ज्यादा जश्न मनाऊंगा।

टीम साथी थॉमस मुलर ने बताया, ड्रेसिंग रूम में वह काफी निराश दिखे।

नियमों पर उठाए सवाल

केन ने जर्मन नियमों की आलोचना करते हुए कहा, यह पागलपन है कि मुझे एक ऐसे मुकाबले में निलंबित किया गया, जबकि मेरा पहला पीला कार्ड सीजन के पहले मैच में आया था। नियमों को प्रीमियर लीग की तरह बदला जाना चाहिए।

मुलर ने भी रेफरी की संवेदनशीलता की कमी पर सवाल उठाए, जबकि जर्मन मीडिया ने केन को नियमों से अवगत रहने की सलाह दी।

केन ने कहा, यह कतई पीला कार्ड नहीं था, और जोड़ा, कुछ लोग हमारे एरिना में ध्यान आकर्षित करने के लिए आते हैं।

रेफरी आयुक्त मार्को फ्रिट्ज ने रेफरी के फैसले को नियमों के अनुरूप 100 प्रतिशत सही बताया, हालांकि उन्होंने सख्ती और विवेक के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती भी मानी।

जल्द मिल सकता है पहला बड़ा खिताब

हालांकि यह झटका हैरी केन और बायर्न दोनों के लिए थोड़ा कड़वा जरूर है, लेकिन अच्छी खबर यह है कि अगर इस वीकेंड बायर्न खिताब जीतता है, तो केन 10 मई को बोरूसिया मोएंशनग्लाडबाख के खिलाफ मुकाबले के बाद टीम के साथ जश्न मनाते नजर आएंगे।

थॉमस मुलर ने कहा, यह हैरी और हमारे लिए थोड़ा कड़वा पल है, लेकिन ट्रॉफी उठाना इस दर्द को काफी हद तक भर सकता है।

रोज शेप और लुक बदलती कार...

बगल से जब कोई लंबी कार 150 किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गुजरती है, तो आपके मन में विचार नहीं आता कि इतनी स्पीड कैसे। जमाना हाईटेक है और इस जमाने में रोजाना नए प्रयोग हो रहे हैं, जो कारों की दुनिया को और हाईटेक कर रहे हैं। जर्मनी की कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने अपनी स्पोर्ट्स कंसेप्ट कार जीना यानी जियोमेट्री एंड फंक्शंस इन एडेप्शंस का पर्दापण किया, तो अन्य कार निर्माता कंपनियों के साथ-साथ पूरी दुनिया के लोग हैरान रह गए। यह एक ऐसी कार है जिसका शेप और लुक हर रोज बदला जा सकता है। इसकी बॉडी किसी तरह के मेटल या प्लास्टिक की बनी हुई नहीं है बल्कि इसे बनाने में फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया है। इसी वजह से इस कार को मनपसंद लुक देना बेहद आसान है। यह तकनीक पहली बार बीएमडब्ल्यू ने इस्तेमाल की है। जीना को बनाने में फ्लेक्सिबिलिटी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। जीना के एक्सटीरियर और इंटीरियर का हर हिस्सा फ्लेक्सिबल है। इस तकनीक के तहत कार के फैब्रिक स्किन के नीच मूवेबल मेटल वायर्स लगाए गए हैं और इन्ही वायर्स को एडजस्ट करके कार की शेप को बदला सकता है। मेटल फ्रेम एडजस्ट करने के लिए एक बटन दबाना होता है और इलेक्ट्रो-हाइड्रॉलिक डिवाइस यह काम कर देती है।

डिब्बाबंद चीजों पर जरूरी है अच्छी लेबलिंग

डिब्बाबंद खाद्यपदार्थो में नमक की अधिक मात्र लोगों को रोगों का शिकार बना रही है। शोध के अनुसार ब्रिटेन में होने वाले 14 प्रतिशत पेट के कैंसर के मामलों को नमक का कम सेवन करके रोका जा सकता है। ब्रिटेन में प्रत्येक व्यक्ति 8.6 ग्राम नमक खाता है, व्यक्ति को सिर्फ 6 ग्राम नमक खाने की सलाह दी जाती है। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थो पर उचित लेबलिंग और तत्वों की स्पष्ट जानकारी कई रोगों से बचा सकती है।

स्वस्थ रहना है तो सोना सीखिए

हर किसी के सोने की खास मुद्रा यानी स्लीपिंग पोजिशन होती है। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए। कुछ लोग बिस्तर पर लेटते तो सामान्य पोजिशन में हैं, पर जैसे-जैसे नींद गहराती है, उनकी मुद्रा तरह-तरह के आकार ले लेती है। बात रोचक भले ही लगे, मगर मत भूलिए कि ये मुद्राएं आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती हैं। कुछ आपको सेहत लाभ देती हैं तो कुछ आपकी सेहत को बिगाड़ भी सकती हैं।

शरीर को पुन सक्रिय और स्वस्थ बनाने के लिए नींद बेहद जरूरी है, जिसे 'रेस्टोरेशन एंड रिकवरी थ्योरी ऑफ स्लीप' कहते हैं। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए, मगर कुछ मुद्राएं इससे भी अलग और रोचक होती हैं। हर व्यक्ति की सोने की खास मुद्रा होती है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोने के समय आपके शरीर की हर मुद्रा आपकी मनोदशा उजागर करती है। यों तो हर उम्र की खास मुद्राएं होती हैं, मगर युवा अवस्था में सबसे अधिक निद्रा मुद्राएं होती हैं। यह मुद्राएं शरीर को प्रभावित करती हैं और सीधे व्यक्ति के तन और मन की सेहत से जुड़ती हैं। यहां तक कि शरीर में पनपते कुछ रोग विशेष निद्रा मुद्रा के कारण गंभीर अवस्था में भी आ जाते हैं तो वहीं कुछ निद्रा मुद्राएं शरीर को आराम पहुंचा कर स्वास्थ्य लाभ कराती हैं।

फुल फीट्स पोजिशन

शरीर को आनंद देने और आराम पहुंचाने वाली श्रेष्ठ मुद्रा है 'फुल फीट्स पोजिशन। अगर आप अपने पैरों को ठोड़ी की ओर मोड़ कर सोते हैं तो आप पूर्ण आनंदमयी मुद्रा में हैं। इससे आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। तंत्रिका तंत्र में कोई तनाव नहीं रहता।

डाउन टुवर्डस बेड

इस कड़ी में दूसरी आम मुद्रा है 'अधो मुख'। यह मुद्रा असल में निद्रावस्था का जागृतावस्था से रिश्ता बताती है। इस निद्रावस्था में पेट के बल सोते हुए पैर सीधे फैले रहते हैं और हाथ सिर की ओर होते हुए या तो सिर को थामे रहते हैं या फिर कैंची का आकार बना लेते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से इसे बेहतर निद्रा मुद्रा नहीं कहा जा सकता। चूंकि इस तरह सोने वाला निद्रा जगत और चेतना जगत दोनों पर हावी रहता है, इसलिए वह दिनभर की उधेड़बुन को छोड़ नहीं पाता और तनाव में रहता है। मोटे तौर पर यह शरीर को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ले जाने वाली अवस्था है। जिन युवाओं या बच्चों में सोते में 'दांत पीसने' की आदत है, उनके लिए यह खतरनाक मुद्रा है। यह निचले जबड़े को दांतों से घायल कर सकती है। दूसरे जिन्हें अपच यानी बिगड़ी पाचन क्रिया की शिकायत है, उनके लिए भी यह मुद्रा नुकसानदेह है। ज्ञात हो कि पाचन तंत्र चित्त अवस्था में बेहतर कार्य करता है। जिन लोगों को खर्राटे लेने की आदत है, वह यदि इस मुद्रा में सोते हैं तो उनके खर्राटे रुक जाते हैं, कारण गुरुत्वाकर्षण के

विपरीत होने के कारण यह गले की मांसपेशियों को झोल देने से रोकती है और खर्राटे नहीं आते, मगर यह मुद्रा गले को अवरुद्ध यानी 'चोक' भी कर सकती है।

पिलो होल्डिंग स्लीपिंग पोजिशन

इसमें व्यक्ति पीठ के बल लेटता है, मगर अपने सीने पर दोनों हाथों से तकिया या फिर जाड़ों में रजाई दबाए रहता है। यह मुद्रा तल्लीनता का भाव जगाती है। जो युवा अपने अध्ययन के प्रति समर्पित हैं, वह अकसर ऐसे ही सोते हैं। चिकित्सीय आधार पर यह बेहतर नींद दिलाने वाली मुद्रा है। अगर आप 'इनसोमेनिया' यानी अनिद्रा के शिकार हैं तो यह बेहतर मुद्रा है।

चेन गेंग पॉजिशन

एक अन्य मुद्रा है कड़ी मुद्रा या 'चेन गेंग पोजिशन'। इसमें सोने वाले हाथ पैर की एक कैंची-सी बना डालते हैं यानी हाथ ऊपर की ओर एक कड़ी बनाते हैं तो पैर नीचे की ओर। इस प्रकार सोने वाले 'फोबिया' यानी भय से पीड़ित होते हैं। यह मुद्रा कुंवारी लड़कियों में अधिक पाई जाती है। चिकित्सीय विश्लेषण के अनुसार यह भय एक ग्रंथि बन मानसिक रोग पनपाता है, अत-इस मुद्रा से बचना चाहिए।

स्पिंक्स पोजिशन

स्पिंक्स पोजिशन यानी रहस्यमयी मुद्रा। इसमें व्यक्ति असाधारण रूप से घुटने के सहारे नितम्ब उठाए रहता है तथा सिर को हथेली से थामे रहता है मानो दण्डवत प्रणाम कर रहा हो। हालांकि यह बच्चों की सामान्य निद्रा मुद्रा है, मगर युवाओं को भी इस मुद्रा में सोते देखा जा सकता है। यह उदर विकार को दर्शाती है। पूरे शरीर को मोड़ गुरुत्वाकर्षण के विपरीत रख कर सो जाना आंतरिक अंगों को भी प्रभावित करता है, अत-इस मुद्रा से बचें।

स्वास्तिक मुद्रा

यह जागृतावस्था और स्वप्नावस्था का सीधा सामंजस्य दर्शाती है। इसमें पेट के बल सोते हैं। दाहिना हाथ ऊपर की ओर और बायां हाथ नीचे की ओर रहता है। इसी तरह दायां पैर घुटने से मुड़ कर ऊपर की ओर रहता है और बायां सीधा रहता है। इस तरह सोने वाले लोग पूरे पलंग पर हावी रहते हैं। इस मुद्रा में उदर में समाए अंग गुरुत्वाकर्षण के विपरीत जाते हैं, अत-विभिन्न विकारों की संभावना रहती है। यह मुद्रा बहुत कम संभव होती है और स्वयं बदल जाती है।

बदलती रहती है निद्रा मुद्राएं

सोने की यह मुद्राएं यहीं समाप्त नहीं हो जातीं। पूरे जीवन में व्यक्ति न केवल मुद्रा बदलते हैं, बल्कि उसके अनुसार उनके रोग भी बदल जाते हैं और स्वास्थ्य प्रभावित होता है। रोचक पहलू यह है कि अधिकांश लोग यह भी नहीं जान पाते कि वह किन-किन मुद्राओं में सोते हैं और उनकी कौन-सी मुद्रा कब बदल जाती है। इसी प्रकार जो मुद्रा वह बहुत पहले लिया करते थे, वह फिर आ जाती है या फिर जो उनकी प्रिय मुद्रा थी, वह अचानक बदल जाती है और उसकी जगह नई मुद्रा आ जाती है। रोचक बात यह है कि नई मुद्रा पुरानी पर इस हद तक हावी हो जाती है कि वही प्रिय लगने लगती है। अपने स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए अपने से जुड़ी मुद्राएं स्वयं जान कर या दूसरों से पूछ उनकी लिस्ट बनाइए और उनकी संपूर्ण जानकारी लेते हुए उनका अपने से जोड़ कर अध्ययन कीजिए। अगर कुछ दुखदायी, कष्टदायक और रोगवाहक मुद्राएं आप में अब भी पनप रही हैं तो उनसे छुटकारा पाने की कोशिश करें।

बहुत कुछ होता है नींद में

वैज्ञानिक परीक्षणों में पाया गया है कि जब हम सोते हैं तो एकदम भिन्न दशाओं से गुजरते हैं। संवेदी यंत्रों द्वारा प्रयोगशाला में इसे समझा गया है। रिपोर्ट के अनुसार पहली दशा स्लो वेव स्लीप यानी नींद की धीमी गति प्रदर्शित करती है। तरंगित विद्युत प्रक्रिया की यह सबसे धीमी गति पूरे मस्तिष्क से गुजरती है और उसे तरंगित करती है। वहीं दूसरी अवस्था है रेपिड आई मूवमेंट, जिसे रैम पोजिशन भी कहते हैं। इस अवस्था में बंद पलकों में आंख की पुतली तेजी से चलती है। हैरानी की बात तो यह है कि यह मस्तिष्क को झकझोर देती है यानी यह अवस्था जागृतावस्था जैसी ही है। पहली बार शोधकर्ता ने नींद की इस छिपी प्रक्रिया से पर्दा उठाया और पहली बार नींद को समझा। शोधकर्ता ने पता किया कि रैम अवस्था नींद के उस भाग को बताती है, जो अपने आप में पूर्ण गतिशील है। हम जागृतावस्था में आंखों को इतनी तेज गति से नहीं चलाते, जितनी कि रैम अवस्था में चलाते हैं। यह दशा मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखती है। रिपोर्ट बताती है कि नींद आना शरीर की अनोखी जैविक क्रिया है। इस समय शरीर की सामान्य क्रियाएं अपेक्षाकृत धीमी पड़ जाती हैं। मगर रहस्यपूर्ण बात यह है कि सोते समय हमारा पाचनतंत्र काफी सक्रिय हो जाता है।

प्राकृतिक उपचार जो नहीं होने देंगे शर्मिंदा

हर व्यक्ति किसी न किसी तरह की दुर्गन्ध की समस्या से ग्रसित है, जिसे बीमारी कहना उसे बढ़ा-चढ़ा कर देखने जैसा है। बार-बार जम्हाई आना, सांस में से दुर्गन्ध आना, गैस विकार या पसीने की बदबू सेहत से जुड़ी कुछ ऐसी बातें हैं, जिनसे व्यक्ति दूसरे लोगों से दूर भागने लगता है।

शारीरिक दुर्गंध

कांख यानी बाजुओं के निचले हिस्से की सफाई न होने से शरीर से दुर्गन्ध आती है। इस हिस्से में पसीना भी अधिक आता है, जिससे जीवाणु पैदा होने की आशंका होती है। नहाते समय सही सफाई न करने पर यही जीवाणु रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं, वहां मैल जमा हो जाता है और शरीर से दुर्गन्ध आने लगती है।

पैरों से बदबू

पैर में पसीना लाने वाली ग्रंथियां काफी अधिक होती है। अगर पैरों को सूखा और साफ न रखा जाए तो उनमें से दुर्गन्ध आने लगती है। जिन लोगों को अधिक पसीना आता है, उन्हें साफ और पसीना सोखने वाले मोजे पहनने चाहिए।

सांस में बदबू

ब्रश न करने या मुंह की उचित सफाई न करने पर मुंह में बचे अन्नकण सड़ने लगते हैं, जिससे सांस बदबूदार हो जाती है। पेट की नियमित सफाई न होने पर भी मुंह से बदबू आती है। दांत की सफाई के साथ जीभ की नियमित सफाई करें।

बार-बार डकार आना

कुछ लोगों को अक्सर डकार आती रहती है। ऐसा अधिक कार्बन या सोडायुक्त चीजें खाने से होता है।

इनसे बचने के उपाय

बेकिंग सोडा मुंह की बदबू से बचने के लिए एक कप पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडे को मिला कर ब्रश करने के बाद उससे कुल्ला कर लें। पैर की बदबू से बचने के लिए इस घोल को थोड़ी मात्र में अपने जूतों में डाल लें।

ग्वारपाठा (एलोवेरा)

बाल धोने से पहले ग्वारपाठे के जूस को अपने सूखे बाल में लगाएं। कुछ मिनट रखने के बाद शैंपू कर लें। रूसी से निजात मिलती है।

नींबू का रस

नहाते समय नींबू के टुकड़े को कांख में रगड़ लें। नींबू के रस का अम्लीय गुण बैक्टीरिया की उत्पत्ति को रोक कर ताजगी देता है। सुबह के समय पानी में नींबू का रस मिला कर कुल्ला करने पर भी मुंह की दुर्गन्ध दूर होती है। पानी दिन भर में कम से कम आठ गिलास पानी पिएं। पानी पेट में मौजूद टॉक्सिन को बाहर कर गैस विकार में भी राहत देता है। पेट की नियमित सफाई होने पर मुंह से दुर्गन्ध नहीं आती। लहसुन व सौंफ लहसुन एंटीबायोटिक है व पाचन में उपयोगी है। गैस विकार में भी इससे राहत मिलती है। इसी तरह खाने के बाद सौंफ खाना लाभदायक है व मुंह से दुर्गंध में भी राहत मिलती है।

अस्पतालों और रेडियो थैरेपी सेंटर्स में बढ़ी फिजिसिस्ट की मांग

रेडिएशन फिजिक्स में बेहतर कॅरियर का विकल्प

फिजिक्स यानि भौतिक शास्त्र के तहत ऊर्जा के रूपांतरण एवं उसके द्रव्य संबंधों का अध्ययन किया जाता है। दूसरे शब्दों में स्थान, काल, गति, द्रव्य, विद्युत, प्रकाश, ऊष्मा एवं ध्वनि के गुणों तथा एक-दूसरे के साथ संबंधों का अध्ययन किया जाता है। ऊर्जा किसी न किसी रूप में जरूरी है और धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में इसका अध्ययन भी बेहद मायने रखता है। रेडिएशन भी एक तरह की ऊर्जा है। इसे ऐसी ऊर्जा माना जाता है जो किसी माध्यम अथवा स्थान से गुजरते हुए किसी अन्य तत्व में सोख ली जाती है। इसके तहत चिकित्सा क्षेत्र में रेडिएशन थैरेपी के उपयोग के लिए रेडिएशन की सुरक्षित मात्रा का आकलन किया जाता है। रेडिएशन फिजिक्स के क्षेत्र में कॅरियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। आइए हम आपको बताते हैं कि इसके लिए आप खुद को कैसे तैयार करें...?

नेचर ऑफ वर्क

चिकित्सा ही नहीं इसके अलावा शोध कार्यों में भी रेडिएशन फिजिसिस्ट्स के लिए असीम संभावनाएं मौजूद हैं। इस क्षेत्र में बहुत ज्यादा रुचि इसलिए भी वैज्ञानिकों द्वारा ली जाती रही है। क्योंकि इस विषय में हुए अनेक क्रांतिकारी आविष्कारों से निर्माण, न्यूक्लियर एनर्जी तथा अत्याधुनिक चिकित्सा जांच-पड़ताल एवं उपचार संभव हो सका है। वैसे भी इस विषय में समग्र भौतिकी की अहम भूमिका है जिस कारण इसमें फिजिसिस्ट, बायोलॉजिस्ट, कैमिस्ट या मेडिकल फील्ड के लोग काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग काफी ज्यादा है और बेहतरीन पारिश्रमिक वाले पदों पर नौकरियां भी खूब उपलब्ध हैं।

अपॉर्चुनिटीज...

यह एक बढ़िया कॅरियर तो है ही साथ ही साथ बेहद चुनौतीपूर्ण भी है क्योंकि इसमें इंसानों की रक्षा तथा रेडिएशन द्वारा उनके कल्याण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन पर ही होती है। हाल के सालों में अस्पतालों, रेडियो थैरेपी सेंटरों तथा कुछ विशेष उद्योगों एवं संगठनों में मेडिकल फिजिसिस्ट की मांग काफी बढ़ गई है। दिशा-निर्देशों के तहत रेडियो थैरेपी सैंटर या अस्पताल में प्रशिक्षित मेडिकल फिजिसिस्ट को नियुक्त करना अनिवार्य है।

स्टडी सेंटर्स...

- डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियल मेडिसिन एंड अलाइड साइंसेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी
- ऑल इंडिया इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली
- भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, मुंबई
- डिपार्टमैंट ऑफ फिजिक्स, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई,
- यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, केरल

आपका ये कदम सैलरी बढ़ाने में करेगा मदद

क्या आप जानते हैं कि कई लोगों को ऑफिस का काम क्यों बोरिंग लगता है, क्योंकि उनके ऑफिस डेस्क पर चारों ओर दुनिया भर का सामान बिखरा पड़ा होता है और वह सजाया नहीं होता। यदि आप अपने घर से ज्यादा समय अपने ऑफिस में बिताते हैं तो यह जरूरी है कि ऑफिस डेस्क को ऐसा सजा दिया जाए कि वहां पर बैठकर काम करने का दिल करे। ऑफिस डेस्क को सजाने से पहले इस बात पर ध्यान दें कि वहां पर किन-किन चीजों को बदलने की आवश्यकता है। कई लोगों को लगता है उनकी डेस्क पर लाइटिंग को बदलने की आवश्यकता है तो वे अपनी डेस्क पर लैंप लगा लेते हैं। यदि आप भी अपनी ऑफिस डेस्क को सजाने की सोच रहे हैं तो ये टिप्स आपके बहुत काम आएंगे। ऑफिस डेस्क को व्यवस्थित रखने का ये तरीका आपकी सैलरी बढ़ाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

साफ-सफाई का रखें ध्यान...

यदि आपकी ऑफिस डेस्क फालतू सामान से घिरी और बिखरी हुई है तो फिर आप उसे चाहे जितना मर्जी सजा लें, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। हमेशा अपनी ऑफिस डेस्क को साफ -सुथरा रखें और जिन चीजों की आवश्यकता न हो उन्हें निकाल दें या फिर ड्राअर में रख लें।

लाइटिंग सही रखें और हरियाली भी लगाएं

कई लोग कहते हैं कि उनके डेस्क पर लगी लाइट या तो बहुत ज्यादा तेज होती है या फिर बहुत धीमी। यदि आपको भी यह समस्या है तो आप अपने डेस्क पर अच्छा-सा लैंप लगाकर उस लाइट को सही कर सकती हैं। हरा रंग आंखों के लिए अच्छा माना जाता है इसलिए अपने ऑफिस में थोड़ी-सी हरियाली भी लगाएं। इसके लिए आप कोई छोटा-सा ग्रीन प्लांट अपनी डेस्क पर रख सकती हैं। अपनी ऑफिस डेस्क को रंगीन बनाने के लिए आपको रंगीन स्टेशनरी खरीदनी चाहिए, जिससे आपका ऑफिस डेस्क हमेशा खिला-खिला लगे। हर ऑफिस में सॉफ्ट बोर्ड होता है जिसका प्रयोग हर किसी को करना चाहिए।

टार्गेट का प्रिंट आउट

जब आप अपनी ऑफिस डेस्क को सजा रहे हों तो वह सजावट न केवल आपके काम को भी बढ़ावा ही दे, बल्कि आपके काम को शो भी करें, ऐसा आपका मकसद होना चाहिए। अपने टार्गेट का एक प्रिंट आउट निकालकर अपनी डेस्क के सॉफ्ट बोर्ड पर लगाएं। इससे आपके दिमाग में हमेशा वही काम रहेंगे जो आप करना चाहते हैं और आपका यह कदम आपकी सैलरी बढ़ाने में भी मदद करेगा। अपनी ऑफिस डेस्क को मस्त बनाने के लिए उस पर एक फंकी पेन स्टैंड रख सकते हैं।

रेसिपी

पुदीना गट्टा

सामग्री

बेसन दो कटोरी, तीन बड़े चम्मच पुदीना और हरी मिर्च का पेस्ट, नमक, थोड़ी सी अजवाइन, सरसों का तेल, चाट मसाला, नींबू

विधि

एक बर्तन में बेसन, पुदीना हरी मिर्च का पेस्ट नमक और अजवाइन मिक्स करें। थोड़ा पानी डालें। अच्छी तरह से मिलाकर गूंध लें। इसके गट्टे बना लें। पानी में उबालें। पक जाने पर गट्टों को मनचाहे आकार में काट लें। तेल में फ्राई करें। चाट मसाला छिड़कें। थोड़ा सा नींबू निचोड़ लें। आप चाहें तो प्याज टमाटर की ग्रेवी के साथ भी इन गट्टों का स्वाद ले सकती हैं।

चना दाल खीर

सामग्री

दूध-2 लीटर, चने की धुली दाल-1/4 कटोरी, बारीक कटी मेवा-एक छोटी कटोरी, चीनी-100 ग्राम, किसा कच्चा नारियल-2 बड़ा चम्मच, मिल्क पाउडर-एक कटोरी, शुद्ध घी-एक छोटा चम्मच, इलायची पाउडर-1/4 छोटा चम्मच

विधि

दूध को गरम करें। उबाल आने के बाद 10 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। चने की दाल को धोकर गरम घी में 3-4 मिनट भूनें और उबलते दूध में डालें। दाल को अच्छी तरह गलने तक पकाएं। गैस बंद करके गर्म दूध में ही मिल्क पाउडर, इलायची पाडडर, मेवा और चीनी डालकर चलाएं। कच्चा नारियल तवे पर भूनें और हल्का बादामी हो जाने पर खीर के ऊपर डालें। स्वादिष्ट खीर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)